NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 336 लखनऊ, मंगलवार 04 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

अभिजीत दीमके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर उठाया सवाल, छतपति संभाजीनगर का मामला

एजेसी।
दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी डिग्री सार्वजनिक करते हैं तो वह भी अमेरिका की पढ़ाई से जुड़े दस्तावेज दिखाएंगे। उन्होंने बोस्टन विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण लेकर पढ़ाई करने की बात कही है।छत्रपति संभाजीनगर, तीन अगस्त कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोमवार को कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी डिग्री सार्वजनिक करते हैं तो वह भी अमेरिका में अपनी पढ़ाई से जुड़े छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण के दस्तावेज सार्वजनिक करने को तैयार हैं। दीपके की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब सूरत के एक आरटीआई कार्यकर्ता ने उनके पिता, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं, द्वारा बेटे को अमेरिका पढ़ने भेजने के लिए धन की व्यवस्था की जांच की मांग की है। दीपके ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं अपनी छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण से जुड़े दस्तावेज दिखाने के लिए तैयार हूं।क्या प्रधानमंत्री मोदी अपनी डिग्री दिखाएंगे?'' उन्होंने कहा कि उन्होंने बोस्टन विश्वविद्यालय से मिली छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण की मदद

से अमेरिका में पढ़ाई की। वह बोस्टन विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन से जनसंपर्क (पब्लिक रिलेशंस) में स्नातकोत्तर हैं और जून में भारत लौटे हैं। दीपके ने कहा, मुझे अपनी पढ़ाई के लिए बोस्टन विश्वविद्यालय से छात्रवृत्ति मिली है।दीपके ने कहा, ''मैं अपनी छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण के दस्तावेज और डिग्री दिखाने को तैयार हूं। प्रधानमंत्री मोदी भी अपनी डिग्री सार्वजनिक करें। यदि वह ऐसा करते हैं तो मैं भी अपने सभी दस्तावेज सार्वजनिक कर दूंगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कोई इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसके पीछे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को लगा दिया जाता है।दीपके ने कहा, ''वे मेरे घर जांच के लिए आएं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं अपने दस्तावेज दिखाने को तैयार हूं, लेकिन यदि प्रधानमंत्री ईडी भेज रहे हैं तो उन्हें अपनी डिग्री भी सार्वजनिक करनी चाहिए। मेरी डिग्री असली है और मुझे उम्मीद है कि उनकी डिग्री भी असली होगी।'' इस सवाल पर कि क्या कॉजपा एक राजनीतिक पार्टी बनेगी, दीपके ने कहा, मुझे लगता है कि मीडिया मौजूदा राजनीतिक पार्टियों से निराश है। अभी हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है (राजनीतिक पार्टी बनाने का) और हम इसे अभी एक जन–आंदोलन के तौर पर ही बनाए रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, जब वोट ही चोरी हो जाते हैं, तो राजनीतिक पार्टी बनकर हम क्या करेंगे? लोगों का राजनीति से भरोसा उठ रहा है क्योंकि वे सुबह किसी और को वोट देते हैं और शाम तक किसी और की सरकार बन जाती है।

पश्चिम बंगाल माफिया पर बड़ी कार्रवाई 2.4 करोड़ कैश गोल्ड बरामद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सराहा

एजेंसी।
पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मालदा और दक्षिण दिनाजपुर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन की सराहना की है। इस कार्रवाई में पिंटू सरकार समेत तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर 2.4 करोड़ रुपये नकद, 90 लाख की कफ सिरप और सोना जब्त किया गया, जिससे सीमा–पार ड्रग नेटवर्क को बड़ा झटका लगा। राज्य सरकार युवाओं की सुरक्षा के लिए अवैध ड्रग कारोबार के प्रति जीरो टॉलरेंस अपना रही है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिले की पुलिस की तारीफ की है। उन्होंने अंतर–राज्यीय और सीमा–पार फैले नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। पिछले महीने ड्रग तस्कर मृदुल घोष की गिरफ्तारी के बाद, इस ऑपरेशन में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मुख्य

सहयोगी पिंटू सरकार भी शामिल है। ग पर पोस्ट करते हुए अधिकारी ने कहा कि मैं दक्षिण दिनाजपुर जिला पुलिस और मालदा जिला पुलिस की तारीफ करता हूँ कि उन्होंने एक शानदार जॉइंट ऑपरेशन चलाया, जिससे अंतर–राज्यीय और सीमा–पार ड्रग नेटवर्क को जबरदस्त झटका लगा है।उन्होंने कहा कि पिछले महीने कुख्यात तस्कर मृदुल घोष की गिरफ्तारी के बाद, तेजी से हुई आगे की जाँच में उसके मुख्य साथी पिंटू सरकार और दो अन्य सह–आरोपियों को भी पकड़ लिया गया। मालदा पुलिस स्टेशन के इलाके में मंगलबाड़ी में एक प्रॉपर्टी पर की गई जॉइंट रेड के दौरान पुलिस ने 2.4 करोड़ रुपये कैश, 90 लाख रुपये की ब्लैक मार्केट वैल्यू वाली हजारों कफ सिरप की बोतलें और लगभग 20 ग्राम सोना बरामद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने और इस रैकेट से जुड़े हर व्यक्ति को पकड़ने के लिए अभी गहन पूछताछ चल रही है।
अधिकारी ने युवाओं की सुरक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया कि अपराधी नेटवर्क पश्चिम बंगाल का इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी आपराधिक तत्वों के लिए यह एक स्पष्ट संदेश हैरू अवैध ड्रग्स के कारोबार से कानून की पूरी ताकत के साथ निपटा जाएगा। सीमावर्ती इलाकों में लगातार सघन छापेमारी की जा रही है और जो लोग सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालेंगे, उनके प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। बीजेपी नेता ने ड्रग्स, अपराध और गैर–कानूनी सिंडिकेट के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को दोहराया।

तमिलनाडु सरकार सरकार नें कावेरी जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, तत्काल पानी की मांग

एजेंसी।
दिल्ली। मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने कावेरी जल विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें कर्नाटक पर कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) द्वारा निर्देशित पानी न छोड़ने का आरोप है। राज्य सरकार ने अपने हिस्से का पानी तुरंत जारी करने की मांग की है, क्योंकि बिलिगुंडलू में वास्तविक जल प्रवाह अधिकारियों के आदेश से काफी कम दर्ज किया गया है, जबकि कर्नाटक के जलाशयों में पर्याप्त पानी है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की अगुवाई वाली तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। राज्य सरकार ने कावेरी जल में अपने हिस्से का पानी तुरंत छोड़े जाने की मांग की। तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील बी. करुणाकरण ने याचिका दायर करने की पुष्टि की। उन्होंने आरोप लगाया कि कावेरी जल विनियमन समिति द्वारा आवंटित पानी की मात्रा और पड़ोसी राज्य कर्नाटक द्वारा छोड़े गए पानी की मात्रा बहुत कम थी। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विजय ने राज्य सरकार से कावेरी जल विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने को कहा था। दूसरी ओर, पानी

छोड़े जाने के आदेश को लेकर कुछ दिन पहले कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन हुए थे। CWRC ने 28 जुलाई, 2026 को एक बैठक की और कर्नाटक से 29 जुलाई से शुरू करके 15 दिनों तक 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने को कहा। बाद में CWMA ने इस आदेश को बरकरार रखा। हालाँकि, तमिलनाडु सरकार ने कहा कि 29 जुलाई से 2 अगस्त के बीच बिलिगुंडलू में पानी का असल बहाव 158 से 550 क्यूसेक के बीच था, जो अधिकारियों के आदेश से बहुत कम था।तमिलनाडु सरकार की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि 3 अगस्त तक कर्नाटक के जलाशयों में कुल जमा पानी 77.537 TMC था और उसे तमिलनाडु का बनता हिस्सा अनुपात के अनुसार छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसमें यह भी कहा गया कि कर्नाटक में ङ्मै और काबिनी बांधों के कैचमेंट एरिया में बारिश के बाद, बिलिगुंडलू में छोड़ा जाने वाला पानी 26.954 TMC होना चाहिए। इस बीच, राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी DMK ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और कर्नाटक सरकार को निर्देश देने की मांग की कि वह राज्य को कावेरी का उसका बकाया पानी तुरंत जारी करे। पार्टी ने कहा कि कर्नाटक को सुप्रीम कोर्ट के 2018 के अंतिम फैसले का सख्ती से पालन करना चाहिए। विपक्ष ने सरकार से CWMA के निर्देशों का पालन करने को कहा।क्ड्ड ने अपनी याचिका में कहा कि कर्नाटक राज्य प्रतिवादी नंबर 1 को निर्देश दिया जाए कि वह CWRC के 28 जुलाई, 2026 के निर्देश (जिसे CWMA ने 30 जुलाई, 2026 को मंजूरी दी थी) को तुरंत और पूरी तरह से लागू करे। इसके तहत, इस माननीय अदालत के आदेश की तारीख से 15 दिनों की अवधि के लिए बिलिगुंड्लु में हर दिन 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित किया जाए और 29 जुलाई, 2026 से पालन में हुई कमी को पूरा किया जाए।

विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले ही दिन योगी सरकार से भिड़ी समाजवादी पार्टी, सदन में जोरदार हंगामा

संवाददाता।
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों का स्वागत करते हुए सदन को जनता की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी मंच बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मॉनसून सत्र की आज हुई शुरुआत के दौरान अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सभी दलों के जो तेवर दिखे और एक दूसरे को घेरने की जो तैयारियां देखने को मिलीं उसके चलते यह सत्र हंगामेदार रहने की संभावना है। सत्र की शुरुआत वाले दिन ही जिस तरह विपक्षी विधायकों ने सरकार को घेरा और पलटवार में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर जो करारा निशाना साधा उससे स्पष्ट हो गया कि सभी नेता अपने अपने चुनावी तरकश में जबरदस्त वार वाले राजनीतिक तीर लेकर आये हैं। हम आपको बता दें कि सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों का स्वागत करते हुए सदन को जनता की आवाज सरकार और प्रशासन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी मंच बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए, ताकि जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक विधायक को अपने विधानसभा क्षेत्र की समस्याएं सदन में उठाने का अवसर मिलना चाहिए और सरकार का दायित्व है कि उन पर गंभीरता से विचार कर समाधान निकाले। मुख्यमंत्री ने कहा

कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और डबल इंजन सरकार सदन के समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों के आधार पर योजनाएं बनाकर प्रदेश में व्यापक सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की छवि बदलने में सरकार सफल रही है और राज्य को 'बीमारू' की स्थिति से निकालकर राजस्व अधिशेष (रेवेन्यू सरप्लस) राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आर्थिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में सरकार की युवा कल्याण योजनाओं, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों के जीवन में आए बदलाव तथा गरीबों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा परिवर्तन का केंद्र है, जहां नीतियां बनाई जाती हैं और जनहित के विषयों पर विचार–विमर्श होता है। मुख्यमंत्री ने सावन माह की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समय किसानों, प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े विद्यार्थियों तथा कांवड़ यात्रा के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने इन सभी वर्गों को शुभकामनाएं भी दीं।
इस दौरान मुख्यमंत्री ने राम मंदिर दान में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रही समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग आज राम मंदिर के चंदे में चोरी की बात कर रहे हैं, उन्होंने मंदिर निर्माण में अपनी ओर से एक पैसा भी योगदान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यही वे लोग हैं जिन्होंने अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलवाई थी और अदालतों में वकीलों की फौज खड़ी कर श्रीराम मंदिर निर्माण की पूरी प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न करने का प्रयास किया था।मुख्यमंत्री ने किसानों के मुद्दे पर भी समाजवादी पार्टी को घेरते हुए कहा कि उनके शासनकाल में किसानों के हितों की अनदेखी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिला, गन्ना किसानों का भुगतान दस–दस वर्षों तक लंबित रहा और अनेक किसानों को आत्महत्या तथा पलायन जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि किसानों की सुरक्षा और सुविधाओं पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को व्यापक लाभ पहुंचाया गया है। उधर, विधानसभा के बाहर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने राम मंदिर दान में कथित गड़बड़ी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही विपक्ष ने नीट–यूजी परीक्षा पत्र लीक, प्रदेश में बिजली आपूर्ति की समस्या तथा उर्वरकों की कमी जैसे मुद्दों को भी उठाया। माना जा रहा है कि राम मंदिर दान विवाद समेत ये सभी विषय विधानसभा के भीतर भी जोरदार तरीके से उठाए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के अनुसार, मानसून सत्र के दौरान राज्य सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। इस बजट के माध्यम से वार्षिक बजट पारित होने के बाद सामने आए नए व्यय मदों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया जाएगा। चार दिन तक चलने वाला यह मानसून सत्र 6 अगस्त को संपन्न होगा।

नेशनल डेंटल कमीशन के पूर्णकालिक सदस्य प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन के पूज्य पिताश्री डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता का निधन

जीवनभर चिकित्सा और समाजसेवा को समर्पित रहे, नेत्रदान कर मानवता के लिए छोड़ गए अमर प्रेरणा

विजडम इंडिया।
देहरादून, 2 अगस्त। नेशनल डेंटल कमीशन (भारत सरकार) के डेंटल असेसमेंट एवं रेटिंग बोर्ड के व्याप्त हो गया।
डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता उत्तर प्रदेश के हल्दौर जनपद बिजनौर एवं मेरठ में एक प्रतिष्ठित चिकित्सा विशेषज्ञ उन्होंने हजारों जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सेवाएँ पहुँचाने तथा जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्णकालिक सदस्य तथा रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु एरन के पूज्य पिताश्री डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता का रविवार सायं लगभग 5रू00 बजे निधन हो गया। उनके निधन से चिकित्सा जगत, शिक्षा जगत तथा सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक के रूप में लंबे समय तक जनसेवा करते रहे। उन्होंने अपने चिकित्सकीय जीवन को केवल उपचार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाजसेवा को अपना जीवनधर्म बनाया। विशेष रूप से मोतियाबिंद उपचार एवं पोलियो उन्मूलन अभियान में उनका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। डॉ. गुप्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज, हरिद्वार के पूर्व छात्र थे। वे शिक्षा और सामाजिक उत्थान के भी प्रबल समर्थक रहे। सी.डी. इंटर कॉलेज, हल्दौर तथा चंद्रमणि बाल विकास केंद्र, हल्दौर की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं आजीवन सदस्य के रूप में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनका संपूर्ण जीवन सेवा, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का प्रेरक उदाहरण रहा।
सोमवार को ऋषिकेश स्थित पूर्णानंद श्मशान घाट, मुनि की रेती में पूरे वैदिक रीति–रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अपने जीवन के अंतिम क्षणों में भी उन्होंने मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए नेत्रदान किया। उनके इस महान निर्णय से दो व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी का मार्ग प्रशस्त हुआ। उनका नेत्रदान समाज के लिए यह संदेश देता है कि मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन को प्रकाशमय बनाया जा सकता है। चिकित्सा, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए विभिन्न शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों तथा गणमान्य नागरिकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन एवं शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। अपने पीछे वे पुत्र प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन, पुत्री डॉ. प्रीति विष्णोई तथा छोटे पुत्र श्री आशु ऐरन सहित समस्त शोकाकुल परिवार को छोड़ गए हैं।

हिन्दी सिनेमा में भोजपुरी को पहचान दिलाई मोती बीए ने - मनोज भावुक

विजडम इंडिया
वाराणसी, 1 अगस्त। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भोजपुरी अध

यन केन्द्र के शोध संवाद समूह द्वारा महान साहित्यकार एवं लोकप्रिय फिल्म गीतकार मोती बीए की 107वीं जयंती पर राहुल सभागार में स्मृति–संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भोजपुरी अध्ययन केन्द्र के समन्वयक एवं कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार श्रीप्रकाश शुक्ल ने की।

मुख्य वक्ता मनोज भावुक ने कहा कि हिन्दी सिनेमा में भोजपुरी को प्रतिष्ठा दिलाने का सबसे बड़ा श्रेय मोती बीए को जाता है। उन्होंने बताया कि बीएचयू से बीए की उपाधि प्राप्त करने के बाद श्बीएश उनके नाम का स्थायी तखल्लुस बन गया। वर्ष 1948 में प्रदर्शित फिल्म श्नदिया के पारश के सभी भोजपुरी गीतों ने पूरे देश में भोजपुरी की नई पहचान बनाई। दिलीप कुमार और कामिनी कौशल अभिनीत इस फिल्म के गीतों ने हिन्दी सिनेमा में भोजपुरी की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। भावुक ने बताया कि मोती बीए ने लगभग 80 फिल्मों के लिए गीत लिखे तथा क्रांतिकारी लेखन, बहुभाषी साहित्य–सृजन और लगभग 40 पुस्तकों के माध्यम से भाषा, साहित्य और संस्कृति को समृद्ध किया।

द्वितीय वक्ता विवेक निराला ने भोजपुरी सानेट, सेमर के फूल, तुलसी रसायन तथा मेघदूत के भोजपुरी काव्यानुवाद जैसी कृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोती बीए का साहित्य लोकजीवन और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यनारायण सिंह ने मोती बीए से जुड़े आत्मीय संस्मरण साझा करते हुए उनके सहज व्यक्तित्व और साहित्य–साधना को याद किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीप्रकाश शुक्ल ने कहा कि अनेक भाषाओं में सृजन करने के बावजूद मोती बीए की आत्मा भोजपुरी में बसती थी और उन्होंने भोजपुरी को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

अंत में प्रो. प्रभाकर सिंह ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोती बीए जैसे मनीषियों की स्मृति को नई पीढ़ी तक पहुँचाना भोजपुरी अध्ययन केन्द्र का दायित्व है। कार्यक्रम का संचालन शिखा सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. नीरज खरे, प्रो. देवेंद्र, विंध याचल यादव, हरीश कुमार, अनीता सिंह सहित बड़ी संख्या में शोध ार्थी, विद्यार्थी एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे और सभी ने मोती बीए को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंग्रेजी सीखिए, लेकिन हिंदी को कभी मत भूलिए- न्यायमूर्ति गौतम चौधरी

प्रयागराज। भारत रत्न, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (पंजी.) द्वारा प्रयागराज मे आयोजित करीब 90 स्कूलो के बच्चों के मध्य आयोजित जिला स्तरीय सम्मान एवं टंडन जयंती समारोह में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी (उच्च न्यायालय, इलाहाबाद) ने अपने ओजस्वी संबोधन में हिंदी के सम्मान और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत अनेक भाषाओं और बोलियों का देश है। हम सभी भाषाओं का समान आदर करते हैं, लेकिन हिंदी हमारी मातृभाषा है इसलिए उसका सम्मान हमें अपनी माँ के समान करना चाहिए। न्यायमूर्ति डॉ. चौधरी ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चे अंग्रेजी अवश्य पढ़ें। मुझे इसकी खुशी है, क्योंकि मैं स्वयं भी बोयास हाई स्कूल बीएचएस का विद्यार्थी रहा हूँ। लेकिन जब किसी बच्चे से श्अठहत्तरश पूछा जाए और उसे श्सेवेंटी–एटश बताकर समझाना पड़े, तब मन को पीड़ा होती है। कार्यक्रम का संचालन आनंद जी टंडन (पप्पन भैया) ने किया। न्यायमूर्ति डॉ चौधरी का अंगवस्तरम पहना कर राष्ट्रीय अध यक्ष कृष्ण बहल व कांता चोपड़ा ने सम्मान किया। राष्ट्रीय महासचिव अखिल कक्कड व कुंवर जी टंडन ने बुके भेंट कर माननीय न्यायमूर्ति का सम्मान किया तथा प्रदेश अध यक्ष बृजेश सिड़ाना ने संस्था का स्मृति चिंन्ह देकर सम्मान किया ।इस अवसर पर डॉ.नीता सेठ साहू,मुदित खत्री,निशा कौशल,ने सभी अतिथियों,एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में संस्था के संरक्षक महेश कपूर, कुंवर जी टंडन (पूर्व पार्षद), मोहन जी टडंन, बद्री चौरसिया (पूर्व पार्षद), मनीष कपूर, अतुल मेहरोत्रा, नीरज टंडन, नीलम माला बहल, सुमन कक्कड, शिवानी जायसवाल, नीलम शर्मा, रागनी चौधरी, गीता सिड़ाना सहित अनेक गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सावन में कजरी गीतों से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

कनकधारा द्वारा प्रयाग संगीत समिति में आठ दिवसीय कजरी कार्यशाला महोत्सव का भव्य शुभारंभप्रयागराज। सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित प्रतिष्ठित प्रयाग संगीत समिति में आज 'आठ दिवसीय कजरी कार्यशाला महोत्सव' का भव्य शुभारंभ हो गया। कनकधारा (कनकधारा सामाजिक सांस्कृतिक संस्था) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दोपहर मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया ।इस उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि सुविख्यात गायिका सुश्री तृप्ति शाक्या जी रहीं, जिन्होंने सावन के पारंपरिक गीतों और कजरी की सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार रखे तथा गाकर समाँ बांध दिया। कार्यक्रम के दूसरे मुख्य अतिथि भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कनकधारा संस्था द्वारा लोक विधाओं को सहेजने के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में उनकी जहाँ भी आवश्यकता होगी वो बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निशीथ वर्मा, संगीत समिति के सचिव अरुण कुमार, हर्षित कुमार, सह निदेशक श्रीमती उमा दीक्षित, डॉ मधु रानी शुक्ला एवं वरिष्ठ समाजसेवी प्रमोद बंसल उपस्थित रहे। महोत्सव के पहले दिन दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात माता सरस्वती का पूजन वंदन किया गया। कनकधारा संस्था की अध्यक्ष स्वाती निरखी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस आठ दिवसीय संस्कृति कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हमारी विलुप्त होती लोक विधाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

होटल में घुसकर कर्मचारी का सिर फोड़ा, 35 हजार लूटे

एफआईआर में देरी पर नए पुलिस कमिश्नर तक पहुंची शिकायत

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में घुसकर मैनेजर और कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। उनका मोबाइल छीन लिया गया। 35 हजार कैश भी निकाल लिए गए। शिकायत के बाद भी कैंट पुलिस की ओर से एफआईआर नहीं दर्ज की गई। मामला नए पुलिस कमिश्नर तक भी पहुंचा, तब एफआईआर दर्ज हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंट थाना क्षेत्र में यह होटल बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के एक प्रोफेसर का होटल है। होटल के मैनेजर तवरेत आलम ने घटना वाले दिन ही कैंट थाने में तहरीर दी थी, लेकिन तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

मैनेजर द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार 29 जुलाई की रात करीब 9रू15 बजे नामजद आरोपी देव पाण्डेय अपने चार अन्य साथियों के साथ होटल में जानकारी लेने के बहाने पहुंचे। आरोप है कि कुछ देर बाद सभी ने अचानक मैनेजर और कर्मचारियों को कमरे में बंद कर गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

मैनेजर का आरोप है कि हमलावरों ने उनके भतीजे के साथ भी मारपीट की और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। इसके अलावा कमरे में रखी अलमारी से 35 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बीच–बचाव करने पहुंचे होटल कर्मचारी देव नारायण यादव के सिर पर भी गंभीर प्रहार किए जाने का आरोप है, जिससे उन्हें चोट आई। घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड होने की बात भी तहरीर में कही गई है। सूत्रों के मुताबिक 31 जुलाई की रात आयोजित समीक्षा बैठक में नए पुलिस कमिश्नर ने एफआईआर दर्ज करने में देरी के मुद्दे पर चर्चा करते हुए कैंट क्षेत्र के इसी मामले का जिक्र किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि मामला प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का है तो एफआईआर दर्ज करने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। बैठक के बाद कैंट थाना पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया ।पुलिस के अनुसार होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। इसी आध ार पर आरोपियों की भूमिका तय कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण विकास से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों का सर्वांगीण विकास ही देश की समृद्धि, आत्मनिर्भरता तथा समावेशी प्रगति का मजबूत आधार है। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए योजनाबद्ध और व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है ।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन, आधारभूत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और आजीविका संवध र्न जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उपलब्ध संसाध ानों के सतत और प्रभावी उपयोग के माध्यम से गांवों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधि ायों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और जल सुरक्षा के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध जल संसाध ानों का संरक्षण और संवर्धन किया जाएगा। प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। सरकार ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाकर विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है ।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इन पहलों से ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को आजीविका से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं ।उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु और अन्य चुनौतियों के अनुरूप ग्रामीण समुदायों की अनुकूलन क्षमता बढ़ाना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जलवायु–अनुकूल और टिकाऊ विकास मॉडल अपनाकर गांवों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाया जा रहा है, जिससे ग्रामीण समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आएगा ।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश में भी डबल इंजन सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण विकास की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है ।उन्होंने कहा कि सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास और जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का मार्ग और अधिक मजबूत होगा। सरकार का उद्देश्य प्रत्येक गांव और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि ग्रामीण समृद्धि देश की प्रगति का आधार बन सके। उन्होंने विश्वास जताया कि ग्रामीण समुदायों की सक्रिय भागीदारी और समन्वित प्रयासों से समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण का संकल्प अवश्य पूरा होगा।

युवक को गोली मारी, पांच पर एफआईआर

साथी पर भी हमले का प्रयास

प्रयागराज। गंगा परिपथ पर कुछ लोगों ने निलेंद्र कुमार नामक युवक को गोली मार दी। उसके साथी आलोक रत्न पर भी हमले की कोशिश की गई। जख्मी निलेंद्र को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद मुख्य आरोपित सलोरी निवासी अभय यादव और स्वराज नगर के अभय पासी को गिरफ्तार कर लिया। तीन आरोपित फरार हैं।

शिवकुटी थाना क्षेत्र के गल्ला बाजार तेलियरगंज निवासी निलेंद्र का कहना है कि 31 जुलाई की रात वह अपने साथी आलोक रत्न के साथ बाइक से गंगा परिपथ पर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान दो बाइक पर सवार अभय यादव, अभय पासी, महेंद्र कुमार उर्फ बच्चू, लड्डू और कृष्ण आए। उन्होंने घेर लिया और जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए गाली–गलौज करने लगे। धमकाते हुए तमंचे से फायर कर दिया, लेकिन बच गए। जब भागने लगे विपक्षी ने पीछा करके फायर किया, जिससे एक गोली निलेंद्र को लग गई।

निलेंद्र के जमीन पर गिरते ही आलोक रत्न पर भी हमले का प्रयास किया। इसी दौरान उधर से गुजर रहे राहगीरों को देखकर हमलावर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आनन–फानन घायल निलेंद्र को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि पूर्व में विपक्षी ने आलोक रत्न पर भी हमला किया था, जिसकी एफआइआर दर्ज कराई गई थी।

इस संबंध में कर्नलगंज थाने के इंस्पेक्टर संजय सिंह यादव का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश है। इसी विवाद में यह घटना हुई है।

नामजद दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि फरार लोगों की तलाश की जा रही है।

हिंदू राष्ट्र घोषित करने और आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग, अखंड भारत सेवा दल ने सरकार से की अपील

लखनऊ, (आरएनएस)। अखंड भारत सेवा दल ने केंद्र और राज्य सरकार से भारत की प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत तथा सनातन मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने पर विचार करने की मांग की है। यह मांग सोमवार को यूपी प्रेस क्लब, लखनऊ में आयोजित एक प्रेसवार्ता में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय पाठक प्रवल ने रखी ।प्रेसवार्ता में मृत्युंजय पाठक प्रवल ने कहा कि भारत के समग्र विकास, सामाजिक समरसता और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि आरक्षण व्यवस्था को समाप्त किया जाए अथवा इसे केवल आर्थिक आधार पर लागू किया जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक पात्र नागरिक को समान अवसर मिल सके ।उन्होंने कहा कि अखंड भारत सेवा दल राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण तथा जनहित से जुड़े विषयों पर लोकतांत्रिक और संवैधानिक माध्यमों से जनजागरण अभियान चलाता रहेगा तथा समाज में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करेगा ।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरजपाल सिंह चौहान ने प्रेसवार्ता में कहा कि सनातन परंपराओं के संरक्षण, सुव्यवस्थित प्रबंधन और उनके विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सनातन बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से गौ सेवा, गौ सुरक्षा और गौ संवर्धन को राष्ट्रीय प्राथमिकता देने की भी मांग की ।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, संस्कार, आध्यात्मिक परंपराओं और सनातन जीवन मूल्यों के संरक्षण एवं व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष योजनाएं संचालित की जाएं। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए प्रभावी कार्यक्रम शुरू किए जाएं, जिससे देश की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का संरक्षण सुनिश्चित हो सके ।प्रेसवार्ता के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी सभी मांगें लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में हैं तथा इन पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में सरकार सकारात्मक कदम उठाएगी।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सुबह से हो रहा जलाभिषेक, हर हर महादेव से गूंजा आसमान

प्रयागराज। सावन के पहले सोमवार पर सुबह से ही शिवालयों में आस्था का रंग देखने को मिल रहा है। मनकामेश्वर महादेव, गंगेश्वर महादेव सहित शहर के प्रमुख शिवालयों में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं। सुबह से ही मंदिरों में हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारे गूंज रहे हैं ।बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के बाद गंगाजल लेकर शिवालयों की ओर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। प्रयागराज के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी हुई है। मनकामेश्वर मंदिर, गंगेश्वर मंदिर, नागवासुकी मंदिर और सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर समेत शहर के अलग–अलग शिवालयों में श्रद्धालु जल लेकर पहुंच रहे हैं। मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की कतार लगी हुई है ।सावन के पहले सोमवार को दशाश्वमेध घाट पर सुबह से ही कांवड़ियों की भीड़ पहुंच रही है। कांवड़िए गंगा में स्नान करने के बाद कलश और कांवड़ में जल भर रहे हैं। इसके बाद अलग–अलग शिवालयों और वाराणसी के लिए रवाना हो रहे हैं। घाट पर लगातार कांवड़ियों के पहुंचने और वापस

जाने का सिलसिला जारी है।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रयागराज से वाराणसी जाने वाले मार्ग पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए सड़क की एक लेन को रिजर्व रखा गया है, जबकि दूसरी लेन से सामान्य वाहनों का आवागमन कराया जा रहा है।

आजाद समाज पार्टी और भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल, राजेन्द्र पाल गौतम बोले- युवाओं का बढ़ता विश्वास पार्टी को देगा मजबूती

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारियों, युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने सभी नए सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई ।आजाद समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वालों में कानपुर ग्रामीण के पूर्व जिलाध यक्ष फौजी भारत भूषण संखवार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पार्टी का दामन थामा। उनके साथ कानपुर देहात के पूर्व जिलाध यक्ष प्रदीप संखवार, पूर्व कानपुर महानगर अध्यक्ष सुनील कोरी, रमाशंकर अम्बेडकर, धीरेन्द्र अम्बेडकर, रामकृपाल संखवार, राजेश राघव निषाद, राजेन्द्र कुमार संखवार, अमित कुमार संखवार, रवीन्द्र नाथ, पंकज गौतम, नीरज गौतम, सुरेन्द्र कुमार संखवार, सीताराम संखवार, नौसाद आलम, अमन सैनी, विक्रम, अनमोल गौतम, शैलेन्द्र, नितीश कुमार, मोहम्मद अकरम, मोहम्मद बाबू, मोहम्मद मुजीब, अनुज प्रकाश, पंकज कुमार, मनोज कुमार कोरी, संजय कोरी सहित अनेक पदाधिकारियों और उनके समर्थकों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की ।इसी क्रम में कानपुर नगर से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस का दामन थामा। निवर्तमान प्रदेश सचिव अर्चना राठौर के नेतृत्व में प्रांजुल पाण्डेय, आशीष यादव, आलोक तिवारी और विनय यादव सहित अन्य युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली।

मुविवि के मियांबाकी वन में वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने किया नीम, चंदन, रुद्राक्ष एवं पीपल का रोपण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के यमुना परिसर स्थित मियांबाकी वन में सोमवार को बृहद वृक्षारोपण अभियान के दूसरे चरण का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार, चिकित्सा विशेषज्ञों, वन विभाग के अधिकारियों तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्ति के संयुक्त संदेश को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया ।गौरतलब है कि राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में मियांबाकी वन का निर्माण किया गया है ।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने स्वयं नीम, चंदन, रुद्राक्ष, पीपल सहित अनेक छायादार एवं औषधीय महत्व वाले पौधों का रोपण किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने विभिन्न औषधीय पौधों के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधे के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान में विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। रोटरी इलाहाबाद रॉयल्स तथा इनरव्हील क्लब मिडटाउन की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिसर के विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर शालिनी तलवार, प्रियंका अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, वंदना पाण्डेय, आरती सक्सेना, कल्पना गुप्ता, मधु गुप्ता, अल्पना बनर्जी, शशि पोद्दार सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की ।कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी, सोरांव, सुश्री दिव्या मिश्रा ने पौधों के वैज्ञानिक संरक्षण, सिंचाई, पोषण एवं दीर्घकालिक रखरखाव के संबंध ा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

-तीसरे दिन नदी में उतराता मिला शव नगर कोतवाली क्षेत्र के बसौढी गांव में मिला शव

कुड़वार सुल्तानपुर। शनिवार को स्थानीय थाना क्षेत्र में गोमती पुल से नदी में कूदे युवक का शव सोमवार को नगर कोतवाली क्षेत्र में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। शनिवार को बल्दीराय थाना क्षेत्र के वलीपुर बाजार मोमिनपुर निवासी मो साहिल(19) पुत्र मो सफी ने हलियापुर सुल्तानपुर मार्ग पर गोमती नदी के पुल से छलांग लगा दी थी। जिसे परिजनो व स्थानीय पुलिस द्वारा गोताखोरों की मदद से खोजबीन की जा रही थी। लेकिन नदी में पानी ज्यादा होने के कारण पता नहीं चल सका। सोमवार को नगर कोतवाली क्षेत्र बसौढी गांव में शव उतराता मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। तो उसकी पहचान में मो साहिल के रूप में हुई। नगर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर कोतवाल सुरेश नारायण मिश्रा ने बताया शव को मर्चरी भेज कर कार्यवाही की जा रही है।

स्टेडियम के निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने डीएम से जांच की मांग

सुल्तानपुर। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के जमखुरी गांव में लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्टेडियम को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और स्थल चयन पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्टेडियम का निर्माण अपेक्षाकृत नीची एवं गड्ढेनुमा भूमि पर किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होने की आशंका बनी रहेगी।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण स्थल को तकनीकी मानकों के अनुरूप समतल नहीं किया गया तो स्टेडियम का अपेक्षित उपयोग प्रभावित हो सकता है। उनका दावा है कि निर्माण स्थल को समतल करने के लिए बड़ी मात्रा में मिट्टी भराई की आवश्यकता होगी, जिस पर अनुमानित डेढ़ से दो करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त व्यय आ सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण खेल परिसर है। ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, जल निकासी व्यवस्था और स्थल की उपयुक्तता पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने क्षेत्रिय विधायक से भी निर्माण कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश देने का अनुरोध किया है। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय निगरानी से परियोजना की गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित की जा सकती है।

राजस्व विभाग की लापरवाही से सुलगते जमीनी विवाद

क्या फाइलों की ढिलाई बन रही अपराधों की जड़?

बल्दीरायध्सुलतानपुर। जमीन का विवाद केवल सीमांकन या कब्जे का मामला नहीं, बल्कि यह कानून–व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और आम नागरिक के न्याय से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। यदि राजस्व विभाग प्रत्येक शिकायत का ईमानदारी, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से निस्तारण करे तो अनेक बड़े विवाद, हिंसक घटनाएं और वर्षों तक चलने वाले मुकदमे टाले जा सकते हैं। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, बड़ी संख्या में पीड़ित आरोप लगाते हैं कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। कई मामलों में प्रभावशाली लोगों के दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप अथवा भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कार्रवाई लंबित रहती है। शिकायतकर्ता न्याय की उम्मीद लेकर राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाता रहता है, जबकि फाइलें आगे बढ़ने के बजाय धूल फांकती रहती हैं। क्षेत्रीय लोगों का सबसे गंभीर आरोप यह है कि कई मामलों में वास्तविक स्थिति के विपरीत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी जाती है। यदि ऐसा होता है तो न केवल शिकायतकर्ता का भरोसा टूटता है, बल्कि निष्पक्ष प्रशासन की छवि भी धूमिल होती है। सरकारी भूमि की सुरक्षा और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी भी कई स्थानों पर प्रभावी ढंग से निभाए जाने पर सवाल उठते रहे हैं, जिससे सार्वजनिक संपत्तियां धीरे–धीरे अवैध कब्जों की भेंट चढ़ती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जब पीड़ित को समय पर न्याय नहीं मिलता, तब उसके भीतर निराशा, आक्रोश और कुंठा बढ़ती है। यही स्थिति कई बार आपराधिक घटनाओं, मारपीट, खूनी संघर्ष और कानून–व्यवस्था की चुनौती का कारण बन जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक जमीनी विवाद का निष्पक्ष सीमांकन, डिजिटल अभिलेखों का सत्यापन, जवाबदेही तय करने की व्यवस्था तथा दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जब तक राजस्व व्यवस्था पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता के साथ कार्य नहीं करेगी, तब तक जमीनी विवाद समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बने रहेंगे।

लोन के लालच में महिला का गला रेता, फिर पुलिस पर बरसाई गोलियां जैत में हत्यारे परिवार का अंत

- मां-बाप ने छिपाए खून से सने कपड़े और आलाकत्ल, मुठभेड़ में मुख्य आरोपी घायल, गैंगरेप का भी आरोपी

(मथुरा / जैत)

थाना जैत पुलिस ने 7 दिन पुराने खूनी हत्याकांड का पर्दाफाश कर पूरे गांव को दहला देने वाले परिवार को धरदबोचा। लोन के पैसों के लिए की गई हत्या के बाद हत्यारे ने पुलिस पर भी हमला कर दिया।

3 अगस्त की आधी रात बाटी से मघेरा वाले कच्चे रास्ते पर हुई मुठभेड़ में मुख्य आरोपित विष्णु उर्फ लुक्का के दोनों पैरों में गोली लगी। उसे वृन्दावन के सौ–शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ में उसके पिता हरप्रसाद और एक महिला सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि 27–28 जुलाई की रात गांव बाटी में स्वयं सहायता समूह चलाने वाली महिला को निशाना बनाया गया। आरोपी को पता था कि महिला के पास गरीबों को दिए जाने वाले लोन के रुपये रखे हैं। मौका देखकर विष्णु घर में घुसा। चोरी करते समय महिला की आंख खुल गई तो दरिंदे ने पहले मुंह दबाया, फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर गला रेत दिया। लाश के चेहरे पर तकिया रखकर पूरे घर को खंगाल डाला। जेवर, श्यामजी का लॉकेट और 13,500 रुपये नगद समेटकर छत के रास्ते फरार हो गया।

पूरा घर था साजिश में शामिल

खुलासे ने सबको हिला दिया। आरोपी के मां–बाप ने सबूत मिटाने में पूरी मदद की। मां ने खून से सना चाकू और कपड़े छिपाए और पिता ने लूटे हुए जेवर और नगदी को ठिकाने लगाया। तीनों मिलकर लूट का माल जंगल में फेंकने जा रहे थे, तभी पुलिस ने घेर लिया घेराबंदी तोड़ने के लिए विष्णु ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जवाब में पुलिस की गोली से वह घायल होकर गिर पड़ा।

बरामदगी और काला इतिहास

पुलिस ने मौके से खून से सना चाकू, तमंचा 315 बोर, 4 कारतूस, पायल, कुंडल, बाली, लौंग, लॉकेट और नगदी और रक्तरंजित कपड़े बरामद किए। गिरफ्तार विष्णु शातिर अपराधी निकला। इसके खिलाफ पहले से नाबालिग से गैंगरेप, हत्या, लूट और आबकारी के मुकदमे दर्ज हैं। पिता और महिला पर साक्ष्य मिटाने का मुकदमा ठोका गया है। बरामद जेवरों की शिनाख्त मृतका के परिजनों ने कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बोल बम के जयकारे से गूंजा मथुरा

सावन के पहले सोमवार पर लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण, साफ-सफाई से लेकर सुरक्षा तक पुख्ता इंतजाम

(मथुरा)

सावन के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ ही भोले के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। आज सावन का पहला सोमवार है और मुख्य मंदिरों पर सुबह से ही लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने जिलाधिकारी के साथ मिलकर कांवड़ियों के आवागमन वाले मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सभी विभागों के अधिकारी भी साथ में मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा को सुगम बनाने के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। मार्गों पर पेड़ों की छंटाई और आसपास की साफ–सफाई कराई गई है। शिविरों में पर्याप्त लाइट और जरूरी सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है, साथ में सादे वस्त्रों में भी जवान लगाए गए हैं। अस्पतालों में कमरे आरक्षित किए गए हैं और कांवड़ मार्ग पर एंबुलेंस तैनात की गई हैं और ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे मार्ग पर निगरानी रखी जा रही है।

सुगम दर्शन और सुरक्षित वापसी प्रशासन की प्राथमिकता रु एसएसपी

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि ष्हमारा प्रयास है कि जो कांवड़िए जल लेकर आ रहे हैं, वे एक अच्छे और सुगम वातावरण में मंदिर पहुंचे, दर्शन करें, अभिषेक करें और फिर अपने गंतव्य को सकुशल जाएं। इसके लिए सभी अधिकारी क्षेत्र में भ्रमणशील हैं।ष भोले के जयकारों और हर–हर महादेव के नारों से पूरा मथुरा गूंज रहा है। प्रशासन का दावा है कि इस पवित्र महीने में श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

ग्राम समाज की जमीनों पर फर्जी पट्टो के एग्रीमेंट का खेल! सरकारी भूमि पर सौदेबाजी का आरोप

-जिसके नाम पट्टा उसे पता तक नहीं ये हैं तहसील का खेल, भू माफियाओ के सामने राजस्वकर्मी, तहसील कर्मी फेल

(मथुरा)

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में ग्राम समाज की जमीनों पर बड़ा खेल खेला जा रहा है ! फर्जी दस्तावेजों से पहले ग्राम समाज की कीमती जमीनो के पट्टे का एग्रीमेंट होता है और फिर मोटी रकम मिलने पर भूमाफियों को जमीन बेच दी जाती है लेकिन इस गिरोह की खास बात ये है कि जिन लोगो के नाम पट्टा किया जाता है उनको इस बात की खबर तक नहीं होती ।इस पूरे खेल में एक दो नहीं बल्कि पूरे पाँच गाँव की लगभग 90 बीघा ग्राम समाज की जमीन पर फर्जीवाड़े का आरोप लगा है साथ ही इस पूरे खेल में राजस्व कर्मियों की मिलीभगत के दावे भी किए जा रहे है।करोड़ों रुपये की ग्राम समाज की जमीनों को लेकर लोगो के द्वारा लगाए गए आरोपों ने हर किसी को चौंका दिया है और राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर ग्राम समाज की जमीनों के पट्टों के एग्रीमेंट किए जा रहे हैं और फिर उन्हीं के आधार पर खुलेआम खरीद–फरोख्त का खेल चल रहा है। सबसे चौंकाने वाला दावा यह है कि जिन लोगों के नाम पर पट्टे दर्ज किए गए, उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यह पूरा खेल बिना राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत के संभव नहीं हो सकता। मामला अब जिलाधिकारी तक पहुंच चुका है और जांच के आदेश दिए गए हैं। 90 बीघा ग्राम समाज की जमीन पर फर्जीवाड़े का आरोप शिकायतकर्ता संतोष पुत्र बाबूलाल और सोनपाल पुत्र श्यामलाल, निवासी ग्राम तारसी ने प्रशासन को दिए शिकायती पत्र में लगाया है समसपुर निवासी नेम सिंह व राजस्व कर्मियों की कथित मिलीभगत से छोटी कोसी, अडूकी, तारसी, बाद और भूड़रसू ग्राम पंचायतों की लगभग 90 बीघा ग्राम समाज की कृषि योग्य भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार कर पट्टे के एग्रीमेंट किए हैं। आरोप है कि इन दस्तावेजों के आधार पर जमीनों का सौदा भूमाफियाओं के माध्यम से किया जा रहा है। जब ये शिकायत जिलाधिकारी के समक्ष पहुंची तो जिलाधिकारी द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) को जांच कर आवश्यक कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पहले भी कई शिकायतें की गईं, लेकिन कार्रवाई केवल जांचो तक ही सीमित रह जाती है । इसी मामले को लेकर

ग्राम पंचायत छोटी कोसी में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के नेतृत्व में ग्रामीणों की पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में मौजूद लोगों ने कहा कि ग्राम समाज की जमीनों को बचाने के लिए अब प्रशासन को सख्त कदम उठाने होंगे। ग्रामीणों ने कथित भूमाफिया नेम सिंह के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि उनकी ग्राम पंचायत की ग्राम समाज की जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर गांव के तीन तथा पड़ोसी गांव सैया के दो लोगों के नाम कथित रूप से पट्टे दर्ज कर एग्रीमेंट किए गए, जबकि संबंधित लोगों को इसकी जानकारी तक नहीं है। उनका दावा है कि यह पूरा खेल तहसील स्तर पर कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से संचालित हो रहा है। यह सिर्फ एक गांव नहीं, कई ग्राम पंचायतों का मामलाष् ग्रामीणों का आरोप है कि यह मामला केवल छोटी कोसी तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि छोटी कोसी, तारसी, अडूकी, बाद और भूड़रसू सहित कई ग्राम पंचायतों की ग्राम समाज की जमीनों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने का संगठित नेटवर्क काम कर रहा है

पंचायत में मौजूद भाजपा नेता ठाकुर सुल्तान सिंह ने भी नेम सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। उनका दावा है कि उन्हें भी रसूलपुर क्षेत्र में ग्राम समाज की जमीन के फर्जी दस्तावेजों के जरिए ठगी का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील के एक बाबू की कथित मिलीभगत से लाल पेन से पट्टा दर्ज कराया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कार्रवाई जारी है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह हैं की अगर शिकायतों में लगाए गए आरोप सही हैं, तो मामला केवल फर्जी दस्तावेजों का नहीं, बल्कि पूरे राजस्व तंत्र की जवाबदेही का है। आखिर ग्राम समाज की सरकारी जमीनों के पट्टे किस आधार पर तैयार हुए? जिन लोगों के नाम पट्टे दर्ज हुए, उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? और यदि शिकायतें लंबे समय से हो रही थीं, तो अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

फिलहाल प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद ही आरोपों की सत्यता और जिम्मेदारी तय होगी।

विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

जौनपुर। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सदर विधानसभा क्षेत्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं के तहत सात संपर्क मार्गों का निर्माण एवं नवनिर्माण कराया गया है, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होने की उम्मीद है। लोकार्पित परियोजनाओं में खेतासरायदूदीदारगंज मार्ग से जैगहाँ तक 0.55 किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग 19.77 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। वहीं गुरैनीडीह्संगर मार्ग से यादव–प्रजापति बस्ती होते हुए गुरैनी मार्ग तक 0.50 किलोमीटर सड़क का निर्माण 14.80 लाख रुपये की लागत से कराया गया।इसके अलावा जपटापुर भुड़कुडा पिच रोड से लपरी नहर तक 0.40 किलोमीटर संपर्क मार्ग का निर्माण 40.12 लाख रुपये की लागत से, मीरापुर्द मुबारकपुर मार्ग से पूरा अंधरी गांव में राजीव यादव के घर तक 0.35 किलोमीटर सड़क का निर्माण 12.11 लाख रुपये की लागत से कराया गया। इसी क्रम में जौनपुरदूखुटहन मार्ग से छतौरा तक 0.50 किलोमीटर लंबे संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 15.70 लाख रुपये की लागत से तथा जौनपुरदूखुटहन मार्ग से मीरापुर पिच रोड से गुलालपुर तक 0.45 किलोमीटर सड़क का निर्माण 17.51 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। वहीं कोइरीडीहादृमल्हनी मार्ग पर ग्राम सभा जर्गे पिच रोड से जर्सी में अरविन्द यादव के घर तक 0.37 किलोमीटर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 17.19 लाख रुपये की लागत से कराया गया।

झुलसे बालक को लेकर ग्रामीणों ने रास्ता रोका

जौनपुर । केराकत के पूरनपुर गांव में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे बालक शिवम के उपचार को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। वाराणसी के अस्पताल में 16 दिनों तक इलाज के बाद चिकित्सकों द्वारा घर ले जाकर सेवा करने की सलाह दिए जाने से नाराज परिजन बालक को लेकर मनियरा मोड़ स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंच गए। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए और सड़क पर चक्काजाम कर दिया। इससे करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बालक हादसे का शिकार हुआ, लेकिन अब उसके समुचित उपचार की व्यवस्था भी नहीं की जा रही है। उन्होंने बेहतर इलाज एवं आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा क्षेत्राधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया तथा तत्काल बालक को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई।इस दौरान विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने बालक के इलाज के लिए पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन कर उन्नाव लौट रहे श्रद्धालुओं की तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है।पुलिस ने बताया कि कार में कुल पांच श्रद्धालु सवार थे। इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायल जिला अस्पताल में भर्ती हैं। सभी श्रद्धालु उन्नाव जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

पहले सोमवार को शिवालयों में भारी भीड़

जौनपुर। सावन के पहले सोमवार पर जिले के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रमुख मंदिरों में अब तक एक लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक कर चुके हैं। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए हैं। गौरी शंकर धाम (सुजानगंज), त्रिलोचन महादेव, सारनाथ महादेव, गोमतेश्वर महादेव और पांच शिवालय सहित प्रमुख मंदिरों में सुबह तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। अन्य प्रमुख शिवालयों के कपाट भी सुबह चार बजे जलाभिषेक के लिए खोल दिए गए। मार्कंडेय महादेव धाम, कैथी से गंगाजल लेकर आए कांवड़ियों के जत्थे त्रिलोचन महादेव पहुंचे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर की धर्मशालाओं, विद्यालय प्रांगण और सरोवर की सीढ़ियों पर विश्राम करते नजर आए। कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने जिले में व्यापक रूट डायवर्जन लागू किया है। विभिन्न मार्गों से आने वाले कांवड़ियों को सीधे त्रिलोचन महादेव और वाराणसी की ओर भेजा जा रहा है, जबकि शहर के अंदर सामान्य वाहनों के प्रवेश पर कई स्थानों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा 4 अगस्त सुबह 8 बजे तक शहर के सात प्रमुख प्रवेश मार्गों से भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। केवल गैस, पेट्रोल, डीजल और मेडिकल सेवाओं से जुड़े आवश्यक वाहनों को ही छूट दी गई है। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने और यातायात व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

कांवड़ यात्रा में विशालकाय डीजे से हादसा टला

जौनपुर। सावन के पावन अवसर पर निकली कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार को मड़ियाहूं कस्बे के गोला बाजार में एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। यात्रा में शामिल ट्रैक्टर पर लगा विशालकाय डीजे अचानक असंतुलित हो गया, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते स्थिति संभाल ली गई और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाजार की संकरी सड़क और डीजे के बड़े आकार के कारण वाहन को आगे बढ़ाने में परेशानी हो रही थी। इसी दौरान डीजे का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे स्थित एक मकान की ओर झुक गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया।

क्या वाकई सुधर रहे हैं? चीन में रह रहे भारतीयों ने चौंकाने वाला सच उजागर किया है!

चीन में रह रहे भारतीयों की शिकायतें और भारत में मीडिया की पहुंच को लेकर चीन की नई मांग यह संकेत देती है कि राजनीतिक स्तर पर संवाद बढ़ने के बावजूद जमीनी स्तर पर विश्वास की कमी अब भी पूरी तरह दूर नहीं हुई है।ऐसे समय में जब भारत और चीन के रिश्तों में सुधार की बातें हो रही हैं, वर्षों बाद सीमा व्यापार फिर से शुरू हुआ है और दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद भी तेज हुआ है, उसी बीच चीन में रह रहे भारतीयों ने ऐसी शिकायतें सामने रखी हैं, जिन्होंने सबको चौंका दिया है। भारतीयों का कहना है कि चीन के सोशल मीडिया पर भारत और भारतीयों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री तेजी से बढ़ रही है, भारतीय पेशेवरों को नौकरी के वीजा मिलने में मुश्किलें आ रही हैं और उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर भी कई तरह की पाबंदियां हैं। इतना ही नहीं, भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन ने नई दिल्ली से ऐसी मांग भी कर दी है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। हम आपको बता दें कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने हाल के वर्षों में पहली बार भारतीय समुदाय के साथ श्ओपन हाउसश् कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के राजदूत विक्रम दोरईस्वामी, काउंसलर (कॉन्सुलर, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह और काउंसलर (वीजा) रमेश सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे भारतीयों से सीधे संवाद किया। इस बातचीत में भारतीय समुदाय ने जिन मुद्दों को सबसे प्रमुखता से उठाया, वह भारत–चीन संबंधों के वास्तविक हालात की एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। भारतीयों ने शिकायत की कि चीन के सोशल मीडिया मंचों पर भारत, भारतीय संस्कृति और भारतीय खान–पान को लेकर अपमानजनक और भड़काऊ सामग्री तेजी से बढ़ रही है। उनका कहना था कि यह केवल ऑनलाइन ट्रोलिंग का मामला नहीं है, बल्कि इससे चीन में रह रहे भारतीयों के सामाजिक माहौल और सुरक्षा की भावना पर भी असर पड़ रहा है। इसके अलावा भारतीय पेशेवरों को नौकरी के लिए वर्क वीजा मिलने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने यह भी बताया कि उनके जीवनसाथियों को रोजगार की अनुमति नहीं मिलने से परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। कुछ लोगों ने दूतावास से जुड़ी काउंसलर सेवाओं में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों का मुद्दा भी उठाया।राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने इन चिंताओं को गंभीर बताते हुए कहा कि चीन सरकार स्वयं भी सोशल मीडिया पर बढ़ती भारत–विरोधी सामग्री को लेकर चिंतित है और इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास भी गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार का मुकाबला तथ्य आधारित जानकारी साझा करके कर रहा है। इसके साथ ही दूतावास भारतीय संस्कृति, खान–पान और विविधता को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए वसंत मेला जैसे लोकप्रिय सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा बढ़ाने की योजना बना रहा है ताकि चीन में भारत की सकारात्मक छवि और मजबूत हो सके।दोरईस्वामी ने यह भी बताया कि भारतीय पेशेवरों को रोजगार संबंधी विवादों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए दूतावास वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों का एक सहयोगी नेटवर्क तैयार कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि भारतीयों की समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे श्ओपन हाउसश् कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। वहीं, चीन के नागरिकों के लिए भारतीय वीजा प्रक्रिया को भी और सरल बनाने की तैयारी की जा रही है ताकि दोनों देशों के बीच लोगों का आवागमन बढ़ सके।दूसरी ओर, भारत में सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन की एक और पहल ने नई कूटनीतिक चर्चा को जन्म दे दिया है। जानकारी के अनुसार, चीनी दूतावास ने भारत सरकार के समक्ष यह चिंता जताई है कि फालुन गोंग और तिब्बती समुदाय से जुड़े मीडिया संगठनों को सम्मेलन के दौरान सीमित पहुंच दी जाए। चीन नहीं चाहता कि ऐसे मीडिया संस्थानों को उसके प्रतिनिधिमंडल से सवाल पूछने या सम्मेलन के मीडिया कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिले।हम आपको बता दें कि फालुन गोंग चीन में प्रतिबंधित आध्यात्मिक संगठन है और उससे जुड़े कई मीडिया संस्थान, जैसे श्द एपॉक टाइम्सश्, चीन की नीतियों के आलोचक रहे हैं। इसी तरह भारत में बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और धर्मशाला सहित कई स्थानों से तिब्बती समुदाय के अपने मीडिया संस्थान संचालित होते हैं। भारत अब तक इन संगठनों को देश के कानूनों के दायरे में स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देता रहा है। ऐसे में चीन की यह मांग केवल मीडिया प्रबंधन का मुद्दा

नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की कसौटी के रूप में भी देखी जा रही है।हम आपको यह भी बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आने की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो जिनपिंग सात साल बाद भारत की धरती पर होंगे। उल्लेखनीय है कि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, लेकिन अक्टूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनने के बाद रिश्तों में धीरे–धीरे सुधार शुरू हुआ। इसके बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की कई मुलाकातें हुईं, भारत ने चीनी नागरिकों के लिए वीजा फिर से जारी करना शुरू किया और चीन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बहाल कर दी। बहरहाल, चीन में रह रहे भारतीयों की शिकायतें और भारत में मीडिया की पहुंच को लेकर चीन की नई मांग यह संकेत देती है कि राजनीतिक स्तर पर संवाद बढ़ने के बावजूद जमीनी स्तर पर विश्वास की कमी अब भी पूरी तरह दूर नहीं हुई है। यही वजह है कि दोनों देशों के रिश्ते फिलहाल सहयोग और संदेह, इन दोनों के बीच संतुलन साधने की चुनौती से गुजर रहे हैं।

सम्पादकीय

आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का

नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन और सोनम वांगचुक की 26 दिन तक चली भूख हड़ताल की तुलना 2011 के अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से की जा रही है। ऊपर से देखने पर लगेगा कि वैसा ही आंदोलन है। इससे पहले हुए किसी दूसरे आंदोलन से भी इसकी तुलना की जा सकती है। कह सकते हैं कि छात्र और नौजवान वैसे ही उद्वेलित हुआ, जैसे 2012 में निर्भया कांड के समय था। ऊपरी तौर पर इसकी तुलना पिछले पांच दशक में हुए किसी भी दूसरे आंदोलन से की जा सकती है। जेपी के आंदोलन से भी तुलना कर सकते हैं तो मंडल, मंदिर, किसान, शाहीन बाग, पाटीदार या मराठा आंदोलन के कुछ कुछ तत्व इस आंदोलन में भी तलाशे जा सकते हैं। लेकिन थोड़ी बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह आंदोलन अब तक हुए सभी आंदोलनों से कई मायने में भिन्न है। इस आंदोलन की सबसे बड़ी पहचान है कि इसमें किसी तरह की अस्मिता नहीं तलाश सकते हैं। इस लिहाज से यह जेपी और अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह है। उन दोनों आंदोलनों में भी समाज का हर वर्ग शामिल था क्योंकि उनमें जिस चीज का विरोध किया जा रहा था वह हर वर्ग को प्रभावित करने वाली थी। बाकी आंदोलनों में किसी न किसी तरह की अस्मिता का मामला रहा है। मंडल से लेकर मराठा या पाटीदार आरक्षण के आंदोलन में जातीय अस्मिता प्रमुख थी। मंदिर आंदोलन में भी हिंदू अस्मिता बहुत मुखर थी तो शाहीन बाग में मुस्लिम अस्मिता। निर्भया कांड के समय हुआ आंदोलन एक फ्लैश प्रोटेस्ट था, जो एक घटना से उपजा था और जल्दी ही समाप्त हो गया। उसका दायरा पूरे देश में नहीं फैला था।

इन सबसे उलट नीट यूजी के पेपर लीक के खिलाफ चल रहा आंदोलन पूरी तरह से छात्रों और युवाओं का है। इसमें एक खास बात यह भी है कि कोई एक व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता है कि वह आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। सोनम वांगचुक जरूर इस आंदोलन की नैतिक ताकत हैं लेकिन नेतृत्व उनके हाथ में भी नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी आंदोलन का नेतृत्व करने का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे आंदोलन के अक्सर अराजक हो जाने का खतरा रहता है।

परंतु यह आंदोलन इतना लंबे चलने के बावजूद अराजक नहीं हुआ। जंतर मंतर पर मोटे तौर पर शांति बनी रही। दिल्ली से बाहर दूसरे राज्यों में जरूर कुछ प्रदर्शनों में हिंसा होने की खबरें आईं लेकिन दिल्ली में पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बावजूद शांति रही। इसका कारण यह था कि आंदोलन में असली स्टेकहोल्डर्स शामिल थे। यानी ऐसे छात्र शामिल हुए, जिनको अपना भविष्य बचाना है। वे पेशेवर नेता या प्रदर्शनकारी नहीं थे। छात्र और युवा अपने वास्तविक सरोकारों की वजह से जंतर मंतर पर पहुंचे थे।

असल में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों के खिलाफ गुस्सा काफी समय से जमा हो रहा था। यह सिर्फ अखिल भारतीय परीक्षाओं जैसे नीट यूजी या जेईई या सीयूईटी आदि का मामला नहीं है। दाखिले और नौकरी के लिए होने वाली राज्यों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में भी लगातार गड़बड़ी हो रही थी। छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि परीक्षाओं का कैलेंडर नहीं बना है। नियमित परीक्षाएं नहीं होती हैं।

कई साल की परीक्षाओं को मिला कर एक परीक्षा होती है और उसमें भी पेपर लीक हो जाता है या परीक्षा केंद्र मैनेज करके अलग तरह की धांधली होती है। अगर पेपर लीक या परीक्षा केंद्र मैनेज होने की घटना न हो तो प्रश्न पत्र में गड़बड़ी हो जाती है, उत्तर पुस्तिका जांचने में गड़बड़ी हो जाती है या नतीजे आने में बहुत समय लग जाता है। कई साल की परीक्षा एक साल कराने की वजह से बड़ी संख्या में छात्रों की उम्र सीमा पार हो जाती है। इन सबका संचित गुस्सा जंतर मंतर पर निकला है। शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में गड़बड़ियों से परेशान एक पूरी पीढ़ी ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया है। यह इसकी सबसे खास बात है। जिस पीढ़ी को श्जेन जीश् कहा जाता है और जिसमें 14 से लेकर 29 साल तक के युवा हैं, वह पीढ़ी इस आंदोलन में सड़कों पर उतरी। यह फीगर ऑफ स्पीच नहीं है कि ये आंदोलन श्जेन जीश् का। सचमुच आठवीं, नौवीं क्लास की लड़कियां, जिनकी उम्र 14 या 15 साल की है वो प्रदर्शन करने पहुंचीं। अपने क्लास की किताब लेकर लड़कियां आईं, जिन्होंने पढ़ कर सुनाया कि लोकतंत्र का क्या मतलब होता है और आज वास्तव में क्या हो रहा है। वयस्क होने से पहले की उम्र के सैकड़ों छात्र और युवा जंतर मंतर पर दिखाई दिए, जिनके चेहरे पर दृढ़ प्रतिबद्धता थी। वे किसी राजनीतिक विचार से प्रभावित नहीं थे। उनको अपने भविष्य की चिंता थी। उनको लग रहा था कि ऐसे ही चलता रहा तो उनकी पढ़ाई और उनका परिश्रम व्यर्थ जाएगा। किशोर उम्र के बच्चे और बच्चियां जिद करके अपने अभिभावकों को लेकर जंतर मंतर पहुंचीं। अन्ना हजारे के आंदोलन में लोग बच्चों को तमाशा दिखाने ले जाते थे इस बार बच्चे अपने माता पिता को लेकर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे कई पुलिसकर्मियों ने कहा कि उनके बच्चे भी आंदोलन में शामिल हैं।

आखिर क्यों पूरा नहीं कर पाते शिक्षा मंत्री अपना कार्यकाल

मोदी सरकार के कार्यकाल के चारों शिक्षा मंत्रियों में से एक भी अपना विजन लागू करने के लिए स्वतंत्र नहीं था। रणनीतियां ऊपर से बनती थीं। ये जरूर है कि हर मंत्री का उसे लागू करने का तरीका अलग हो सकता है जैसे, स्मृति ईरानी ज्यादा मुखघ्र थीं, जावड़ेकर रणनीतिक चुप्पी वाले व्यक्ति थे।कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन ने भारत की शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और सरकार की प्राथमिकताओं पर एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल सिर्फ इस्तीफा देने वाले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के दौरान शिक्षा मंत्रालय की पूरी दिशा को लेकर भी उठ रहे हैं। साल 2014 से केंद्र में सत्ता में आने के बाद से अब तक मोदी सरकार में शिक्षा मंत्री रही स्मृति ईरानी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल शनिशंकश और धर्मेंद्र प्रधान को अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किए बिना इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा। पांचवा शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को बनाया गया है, हालांकि जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मोदी सरकार को तय करना है कि जोशी ही पूर्णकालिक शिक्षा मंत्री रहेंगे या किसी नए चेहरे की तलाश करके उसको स्वतंत्र रूप से शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जोशी भी विवादों में रहे हैं। साल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो गैंग रेप और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में उम्र कैध्द की सजा काट रहे 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई पर जब चौतरफा सवाल उठ रहे थे, तब प्रल्हाद जोशी ने इसका बचाव किया था।

सवाल यही है कि आखिरकार कोई भी शिक्षा मंत्री अपना कार्यकाल क्यों नहीं पूरा कर पाया। मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल में शिक्षा मंत्रालय ही ऐसा प्रमुख मंत्रालय रहा, जिसकी कमान पांच अलग–अलग मंत्रियों ने संभाली वहीं, गृह, विदेश, वित्त, रक्षा और स्वास्थ्य जैसे मंत्रालयों में अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही। शिक्षा, संस्कृति और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आईएनबी) ऐसे कुछ चुनिंदा मंत्रालय हैं, जिन्हें सॉफ्ट पावर की तरह देखा जाता है और जो संघ की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए अहम रहे हैं।यही कारण है कि यहां विवाद ज्यादा हुए और अस्थिरता भी उतनी ही दिखती है। गौरतलब है कि आईएनबी में 12 साल के भीतर सात केंद्रीय मंत्री और संस्कृति मंत्रालय में पांच केंद्रीय मंत्री बने हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्मृति ईरानी और प्रकाश जावड़ेकर ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय संभाला मोदी के दूसरे कार्यकाल में यह जिम्मेदारी रमेश पोखरियाल शनिशंकश को मिली। मगर 2021 में हुए कैबिनेट विस्तार के दौरान धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री बना दिया गया, जिनके इस्तीफे की मांग को लेकर एक महीने तक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थक जंतर–मंतर पर बैठे रहे और आखघ्रिकार केंद्र सरकार दबाव में आई और प्रधान को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा।नीट परीक्षा के लीक होने का मामला अलग कर दें, तो संघ से जुड़े उन सभी प्रमुख लक्ष्यों को धर्मेंद्र प्रधान बिना शोर–शराबा किए लागू करा पाने में सफल रहे हैं, जिनकी कोशिश उनके पूर्ववर्तियों ने जोर लगाते हुए की और विवादों में फंसते गए। गौरतलब है कि 2014 में बनी पहली मोदी कैबिनेट में धर्मेंद्र प्रधान को पेट्रोलियम मंत्री बनाया गया, फिर मोदी के दूसरे कार्यकाल में वे शिक्षा मंत्री बने और मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी यह जिम्मेदारी जारी रही। प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को बढ़ावा मिला। मातृभाषा और कई भाषाओं में शिक्षा को उन्होंने बढ़ावा दिया। मगर तीन–भाषा फॉर्मूला पर तमिलनाडु राज्य सरकार के साथ लंबे समय तक वे विवाद के केंद्र में भी रहे। विरोधियों ने उन पर राजनीतिक हस्तक्षेप और हिंदी थोपने का आरोप लगाया, जिससे शिक्षा नीति केंद्र बनाम राज्य के विवाद का मुद्दा बन गई। मोदी सरकार के कार्यकाल के चारों शिक्षा मंत्रियों में से एक भी अपना विजन लागू करने के लिए स्वतंत्र नहीं था। रणनीतियां ऊपर से बनती थीं। ये जरूर है कि हर मंत्री का उसे लागू करने का तरीकघ अलग हो सकता है जैसे, स्मृति ईरानी ज्यादा मुखघ्र थीं, जावड़ेकर रणनीतिक चुप्पी वाले व्यक्ति थे। मोदी के शासन में शिक्षा विभाग में जो भी नीतियां अपनाई गईं, वे सभी वाम विचारधारा को हटाने के मकघ्सद से लागू हुईं। संघ का मकघ्सद भारत की शिक्षा व्यवस्था से वाम विचारधारा वाली शिक्षा–पद्धति को हटाना है, क्योंकि संघ मानता है कि वे मुगलों के समर्थक रहे हैं। संघ की नजर में, मुगल घुसपैठिए हैं और देश की मुस्लिम आबादी उनकी वंशज है। संघ पर आरोप लगते रहें कि इस एजेंडे को पूरा मोदी सरकार के जरिए कराया जा रहा है।इसी लक्ष्य को साधने के लिए मोदी सरकार के चार शिक्षा मंत्रियों के चयन का पैमाना रहा है। ष्स्मृति ईरानी को छोड़ दें, तो नवनियुक्त शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी, प्रकाश जावड़ेकर, रमेश पोखरियाल शनिशंकश और धर्मेंद्र प्रधान संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। वाजपेयी के जमाने में भी संघ से आने वाले मुरली मनोहर जोशी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था, जो दर्शाता है कि संघ इस मंत्रालय में अपना दखघ्ल हमेशा चाहता रहा है। स्मृति ईरानी के साथ उनके नाम पर डिग्री विवाद, जेएनयू विवाद और रोहित वेमुला की आत्महत्या जैसे विवाद जुड़ चुके थे।स्मृति ईरानी संघ की पृष्ठभूमि से नहीं थीं।

नीलेकणी के ऊपर परीक्षा प्रणाली में सुधार का जिम्मा

अजीत द्विवेदी

इंफोसिस के सह संस्थापक और भारत में आधार क्रांति के सूत्रधार नंदन नीलेकणी के ऊपर केंद्र सरकार ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने का जिम्मा सौंपा है। भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के पूर्व प्रमुख एस सोमनाथ को भी इस उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पता नहीं लोगों को याद हो कि न हो, दो साल पहले इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में परीक्षा प्रणाली में सुधार के सुझाव देने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। जैसे 2026 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद यह कमेटी बनी है वैसे ही 2024 में नीट यूजी पेपर लीक के बाद वह कमेटी बनी थी। राधाकृष्ण कमेटी ने एक सौ ज्यादा सिफारिशें की थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी 27 सिफारिशें ऐसी हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। कुछ सिफारिशें आंशिक तौर पर मानी गईं और 57 सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार किया गया। लेकिन उसका क्या नतीजा निकला? दो साल के बाद फिर पेपर लीक हो गया!

राधाकृष्ण कमेटी ने सिफारिश की थी नीट यूजी सहित करीब 20 प्रतियोगिता परीक्षाएं कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए में विषय के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इस सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद भी पेपर लीक होना जारी है और दूसरी गड़बड़ियां भी हो ही रही हैं तो इसका अर्थ है कि एकमात्र समस्या यह नहीं है कि एनटीए में विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। समस्या संरचनात्मक और व्यवस्थागत है। अगर नंदन नीलेकणी संरचनात्मक समस्याओं को समझ कर उसे ठीक करने का सुझाव देते हैं तब तो ठीक है अन्यथा इसका भी कोई मतलब नहीं होगा।

उनके सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे अखिल भारतीय परीक्षा के सिद्धांत को खत्म करने की सिफारिश करेंगे? क्या वे कहेंगे कि एक बार में 24 लाख छात्रों वाली नीट यूजी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए? क्या वे यह सिफारिश कर सकते हैं कि मेडिकल में दाखिले की पुरानी व्यवस्था बहाल हो और नीट यूजी की बजाय राज्यों को अपने कॉलेजों में दाखिले का अधिकार पहले जैसा दिया जाए? यानी शिक्षा और परीक्षा के मामले में राज्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित की जाए। अगर नंदन नीलेकणी की कमेटी नीट समाप्त करने और मेडिकल में दाखिले की परीक्षा का विकेंद्रीकरण करने की सिफारिश नहीं करती है तो उनकी सिफारिशों का स्कोप बहुत सीमित हो जाएगा और तब किसी बड़े सुधार की संभावना कम हो जाएगी।

अब सवाल है कि अगर नीट समाप्त करने या नीट जैसी दूसरी अखिल भारतीय परीक्षाएं खत्म करने की सिफारिश नीलेकणी कमेटी नहीं करती है तो उसके पास क्या विकल्प बचेगा? सबसे अच्छा तो यही होगा कि नीट को समाप्त किया जाए। लेकिन अगर सरकार की ओर से कमेटी की सिफारिशों का जो स्कोप तय किया जाएगा यानी जो फ्रेमवर्क दिया जाएगा उसमें पहले ही यह स्पष्ट कर दिया जाए कि नीट की परीक्षा जारी रहेगी तो फिर नीलेकणी कमेटी को नीट को इंजीनियरिंग में दाखिले की परीक्षा जेईई की तरह दो चरणों में कराने की सिफारिश करनी चाहिए। ध्यान रहे अगले साल नीट की परीक्षा जेईई की तरह कंप्यूटर आधारित होगी और कई पालियों में होगी। हालांकि उसमें प्रश्नपत्रों की कठिनता के आधार पर अंकों के सामान्यीकरण की अलग समस्या आती है। फिर भी कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा पेपर लीक की संभावना को कम करती है। इसके साथ साथ अगर नीट की परीक्षा भी जेईई के तरह दो चरण में हो तो पेपर लीक की संभावना और कम हो सकती है। दो चरण का अर्थ है कि पहले चरण में प्रारंभिक परीक्षा हो और दूसरे चरण में एडवांस परीक्षा हो। पहले चरण में मल्टीपल च्वाइस वाले प्रश्न हों और दूसरे चरण में सब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएं।

इसके अलावा नीलेकणी कमेटी को मेडिकल की पढ़ाई की फीस को नियमित करने के बारे में भी सुझाव देने चाहिए। अभी मेडिकल की परीक्षा में सबसे ज्यादा प्रश्न पत्र इसलिए लीक होते हैं कि एक बार में परीक्षा होती है और 720 अंकों की परीक्षा में अगर अच्छे अंक आ गए तो देश के प्रीमियम संस्थान में बहुत कम फीस में पढ़ने का मौका मिलता है। अन्यथा निजी कॉलेजों में फीस इतनी ज्यादा है कि लोग स्वाभाविक रूप से पेपर लीक पर पैसा खर्च करने के लिए प्रेरित होते हैं। खुद सरकार इसी वजह से इसे हाई स्टेक यानी बड़े दांव वाली परीक्षा मानती है। नीट के बचाव में तर्क दिया जाता है कि इसमें क्वालिफाई करके गरीब बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सकते हैं। यह गलत है। निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस एक से डेढ़ करोड़ रुपए तक है। ऐसे में कौन गरीब अपने बच्चों को वहां पढ़ा पाएगा! अगर डोनेशन नहीं देना पड़े तब भी निजी कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर है।

बहरहाल, नीलेकणी कमेटी को सिर्फ नीट पर विचार नहीं करना है, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने के सुझाव देने हैं। इसकी शुरुआत एनटीए से हो सकती है। भारत सरकार ने एक देश, एक परीक्षा की महत्वाकांक्षी योजना के तहत एनटीए का गठन किया। इसके बाद एक एक करके परीक्षाओं को अखिल भारतीय स्वरूप दिया जाने लगा। मेडिकल की परीक्षा के साथ साथ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए भी सीयूईटी की परीक्षा ली जाने लगी। इसमें अलग समस्याएं हैं। वास्तविकता यह है कि एनटीए देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार में शून्य योगदान दे रहा है। सो, नीलेकणी कमेटी एनटीए को खत्म करने और पुरानी विकेंद्रित परीक्षा व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश करे। सवाल है कि अगर एनटीए को समाप्त करना उसके स्कोप ऑफ वर्क से बाहर हो तो क्या करना चाहिए? तब उसे एनटीए में सुधार की सिफारिश करनी चाहिए।

सबसे पहला सुधार तो यह जरूरी है कि एनटीए को कम से कम वैधानिक दर्जा दिया जाए। अगर सरकार चाहती है कि यूपीएससी की तरह इसकी परीक्षाएं विश्वसनीय बनें तो इसे संवैधानिक नहीं तो वैधानिक दर्जा दिया जाए। इसका अपना कैडर बने ताकि तदर्थ ढंग से काम नहीं हो। अभी इधर उधर से ले आकर अधिकारियों को रखा जाता है और गड़बड़ी होने पर बाद में उनको वापस अपने कैडर में भेज दिया जाता है। इससे जवाबदेही नहीं बनती है। इसके बाद ठेके पर नियुक्ति रोकने की सिफारिश की जाए और परीक्षा से जुड़े काम आउटसोर्स करने पर रोक लगे। यूपीएससी की तरह एनटीए का अपना बुनियादी ढांचा बने। विशेषज्ञों की नियुक्ति हो और पूरे साल इसका काम चले। जैसे यूपीएससी की परीक्षा में प्रश्न पत्र के ढेर सारे सेट बनते हैं और किसी को पता नहीं होता है कि परीक्षा में कौन से सेट का इस्तेमाल होगा वैसी व्यवस्था एनटीए द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए भी की जाए।

एनटीए जिन परीक्षाओं का आयोजन करता है उसके अलावा भी कई एजेंसियां हैं, जो दाखिला और भर्ती परीक्षा आयोजित करती हैं। उनमें भी एनटीए की तर्ज पर ही सुधार की सिफारिश होनी चाहिए। हालांकि सिर्फ कमेटी की सिफारिशों से कुछ खास नहीं होगा। सरकार की मंशा और राजनीतिक इच्छाशक्ति भी होनी चाहिए तभी जरूरी सुधार होंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा है।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन राशि
आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा।

कर्क राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

कन्या राशि
आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे।

धनु राशि–
आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा।

चढ़ावा चोरी पर संघ, विहिप व भाजपा के लोगों की आवाज नहीं निकलती तेजनारायण पाण्डेय

-सांसद अवधेश प्रसाद के पुतला दहन की घटना को दलित समाज का बताया अपमान

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहाकि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी के मंदिर में चढ़ावे की चोरी होती है, तब संघ, विहिप और भाजपा के लोगों के मुँह से आवाज तक नहीं निकलती। जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने हनुमान जी महाराज, बजरंगबली को भाजपा का झंडा पकड़ाकर नचाया जाता है, तब आपकी भावना और सम्मान को ठेस नहीं पहुँचती। संघ, विहिप और भाजपा के लोगों को कोई तकलीफ नहीं होती। जब राम मंदिर पर सवाल उठाने पर भाजपा प्रवक्ता द्वारा भगवा वस्त्रधारी पुजारी को पीटा जाता है, तब संघ, विहिप और भाजपा का सम्मान नहीं जागता। लेकिन जब दलित बिरादरी के सांसद राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी का मुद्दा उठाते हैं और संघ, विहिप व भाजपा की पोल खोलते हैं, तब भारतीय जनता पार्टी, संघ, विहिप और भाजपा के लोगों को बहुत बुरा लगता है। शाने अवध सभागार में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री तेजनाराण पाण्डेय पवन ने कहा कि सांसद पप्पू यादव ने भगवा वस्त्र राम मंदिर के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के संदर्भ में पहने थे। पप्पू यादव से गलती हुई क्योंकि प्रदर्शन के दौरान भगवान राम का चित्र जमीन पर गिर गया था। पवन पांडे ने कहा कि इस गलती के लिए उन्होंने अयोध्या की जनता से माफी मांगी और पप्पू यादव को भी माफी मांगनी चाहिए। वहीं शनिवार को रामनगरी अयोध्या में संतों के प्रदर्शन के दौरान फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद के पोस्टर पर कालिख पोतने और जूते मारने की घटना की उन्होंने कड़ी निंदा की। पवन पांडे ने इसे फैजाबाद–अयोध्या की 18 लाख जनता और देश की 140 करोड़ जनता का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह संघ, विहिप और भाजपा के लोगों द्वारा सांसद अवधेश प्रसाद का पुतला फूंककर तथा उनके चित्र के साथ दुर्व्यवहार कर उन्हें अपमानित किया गया, वह केवल उनका ही नहीं, बल्कि पूरे पीडीए समाज और दलित समाज का अपमान है। पूरी समाजवादी पार्टी इसकी घोर निंदा करती है उन्होंने कहा कि पूरी भाजपा दलित समाज के सांसद को बर्दास्त नहीं कर पा रही है। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव ,राकेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता सभा शावेज जाफरी एडवोकेट , जिला उपाध्यक्ष ओरौनी पासवान, सुनील कुमार , संजय चौधरी, वीरेंद्र गौतम, शिव शंकर शिवां , के पी चौधरी , अनस खान आदि लोग मौजूद थे।

पूराबाजार में विकसित हो रहा मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप अयोध्या में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। ब्लॉक पूराबाजार स्थित जूनियर हाईस्कूल भदौली को मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय के रूप में विकसित करने का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल 24.17 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बेसिक शिक्षा विभाग की इस बड़ी पहल के अंतर्गत यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई–11, अयोध्या द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत अब तक 1208.54 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है, जिसमें से 90 लाख रुपये व्यय हो चुके हैं। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि परियोजना का कार्य 29 अप्रैल 2025 को प्रारंभ हुआ है और इसे अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में मुख्य भवन की नींव खुदाई का कार्य प्रगति पर है, जबकि प्रधानाचार्यध्उप प्रधानाचार्य आवास, स्टाफ आवास भवन एवं डॉर्मेट्री का प्लिंथ लेवल तक कार्य पूर्ण हो चुका है तथा आगे का निर्माण जारी है। इस कम्पोजिट विद्यालय में एकेडमिक मुख्य भवन, मिड डे मील भवन, बाल वाटिका भवन, मल्टीपरपज हॉल, प्रधानाचार्यध्उप प्रधानाचार्य आवास, स्टाफ आवास, डॉर्मेट्री, सीसी रोड तथा बाउंड्रीवॉल (गेट सहित) का निर्माण शामिल है। इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलेगा और आवासीय व्यवस्था भी विकसित होगी।पूरा ब्लॉक के भदौली जूनियर हाईस्कूल को नई पहचान मिलेगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री के विजन से अयोध्या में शिक्षा का आधार और मजबूत हो रहा है।

नशा मुक्त भारत अभियान युवाओं की ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण का संकल्प

-अवध विवि में नशा मुक्ति युवा पर विकसित भारत अभियान कार्यक्रम का हुआ लाइव आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में नशा मुक्ति युवा पर विकसित भारत अभियान कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया गया। संवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा, विकसित भारतश् अभियान की शुरुआत की। देशभर में आयोजित इस कार्यक्रम में 28 हजार से ज्यादा स्थानों से एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हम एक महान संकल्प के लिए एकजुट हुए हैं। सभी संतजन सभी राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधि, 1 करोड़ से ज्यादा युवा साथी, इस शुभ संकल्प के लिए कृत संकल्पित है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से माय भारत पर पंजीयन कर इस अभियान को जन–जन तक पहुंचाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, जिनके हाथों में पुस्तक और लैपटॉप होना चाहिए, न कि नशे की आदतें। उन्होंने इसे एक जन आंदोलन बताते हुए युवाओं से आगामी 100 रविवार तक इस अभियान को निरंतर चलाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी डिक्लेरेशन 2025 से प्रारंभ हुआ यह विचार आज राष्ट्रव्यापी अभियान का रूप ले चुका है। 28,000 से अधिक स्थानों से जुड़े एक करोड़ से अधिक युवा इस संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब करोड़ों युवा एक साथ संकल्प लेते हैं, तो राष्ट्र को नशामुक्त और विकसित बनाने का मार्ग और भी सशक्त हो जाता है। विकसित भारत का लक्ष्य के साथ उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे से मुक्त समाज ही स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत की नींव है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत जैसे प्राचीन सांस्कृतिक समाज में नशे के लिए कभी कोई स्थान नहीं रहा। भारतीय संस्कृति ने सदैव नशे को सामाजिक बुराइयों की जड़ माना है। आज आवश्यकता है कि हम अपनी उसी सांस्कृतिक चेतना और जीवन मूल्यों को पुनः अपनाएं तथा युवाओं को नशे जैसी कुरीतियों से दूर रखकर राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि युवा नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ें, तो विकसित भारत–2047 का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ–साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करें।भारत युवाओं का देश है जो विश्व की तस्वीर बदल सकता है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यदि यह युवा शक्ति नशे से दूर रहकर संकल्पित हो जाए तो भारत को शीर्ष स्थान पर खड़ा किया जा सकता है। भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा में नशे के लिए कोई स्थान नहीं रहा है। आज की युवा पीढ़ी को भटकाव से बचाकर अपनी सफलता की कहानी लिखनी है और समाज को प्रेरित करना है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के 1500 से अधिक छात्र माय भारत से पंजीकृत हो चुके हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने सभी छात्रों से नशा मुक्ति अभियान को गांव–गांव तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर डी. फार्मा के छात्र–छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक नशा मुक्त भारत दृ गांव–गांव तक हमारा संकल्प प्रस्तुत किया। नशा मुक्त समाज बनाने के लिए कुलपति ने उपस्थित जन समूह को संकल्प शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. आशुतोष सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो एस एस मिश्र, प्राचार्य प्रो. दान पति त्रिपाठी, प्रो. मंजूषा मिश्रा, प्रो. आशुतोष सिन्हा प्रो. सी के मिश्र, कार्यक्रम संयोजक प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. एस के रायजादा, डॉ. विनोद चौधरी, उप कुलसचिव डॉ. रीमा श्रीवास्तव, डॉ. अवध नारायण, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ अनिल कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य शिक्षक, अधिकारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

लेखपाल संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सोहावल–अयोध्या। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सोहावल तहसील लेखपाल संघ के लेखपालों ने शनिवार को सोहावल उपजिलाधिकारी गजेंद्र सिंह को 6 सूत्रीय मांग पत्र से संबंधित ज्ञापन संघ अध्यक्ष सुशील कुमार के नेतृत्व में सौंपा । इस अवसर पर सोहावल उपजिलाधिकारी गजेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपने के बाद मौजूद लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अगर उनकी मांगे न मानी गई तो 5 अगस्त 2026 को अतिरिक्त चार्ज का बस्ता जमा होगा। तत्पश्चात् 10 तारीख के बाद आनलाइन कार्य करना बन्द होगा । लेखपाल संघ सोहावल के पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उन लोगों ने अपनी विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सोहावल उप–जिलाधिकारी गजेंद्र सिंह को सौंपा। इस अवसर पर सोहावल तहसील लेखपाल संघ सोहावल अध्यक्ष सुशील कुमार, तरुण मिश्रा मंत्री, विशाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उत्कर्ष दीप कनिष्ठ उपाध्यक्ष, सुश्री शिवानी मालवीय उपमंत्री, प्राची मिश्रा आडिटर, श्रीमती अर्चना यादव कोषाध्यक्ष , राहुल यादव पूर्व मंत्री, महेंद्र तिवारी पूर्व अध्यक्ष,विजय निषाद, दिनेश चौरसिया, बाबादीन, सुरेश शर्मा, सूरज, सुभाष, अंजली शुक्ला, श्रद्धा तिवारी, पारुल सिंह, गरिमा सिंह, कृष्णा यादव, रोशनी गुप्ता आदि लेखपाल मौजूद रहे।

05 अगस्त को विकास भवन सभागार में आयोजित होगा जनपद स्तरीय डेयरी कान्क्लेव

मेरठ। जनपद के दुग्ध उत्पादकों, पशुपालकों एवं कृषकों को डेयरी व्यवसाय के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग के सयुंक्त तत्वावधान में 05 अगस्त 2026 को 10.00 बजे से विकास भवन सभागार, मेरठ में जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी, नन्दबाबा दुग्ध मिशन, मेरठ ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य डेयरी व्यवसाय से जुड़े कृषकों एवं पशुपालकों को आधुनिक डेयरी प्रबन्धक, गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पादन, पशुपालन में नवीन तकनीकों तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके और डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक डेयरी प्रबन्धाक, डेयरी प्रसंस्करण, संतुलित एवं वैज्ञानिक चारा प्रबन्धक, पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, दुग्ध मूल्य संवर्धन, तथा दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा। कॉन्क्लेव के माध्यम से पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय को वैज्ञानिक एवं व्यवसायिक रूप से संचालित करने, उत्पादकता बढ़ाने तथा शासक की योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम में संबधित विभागों के अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, डेयरी क्षेत्र से जुडे प्रगतिशील कृषक एवं बड़ी संख्या में पशुपालकों की सहभागिता अपेक्षित है।वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी, नन्दबाबा दुग्ध मिशन, मेरठ ने जनपद के समस्त कृषकों, पशुपालकों, दुग्ध उत्पादकों एवं इच्छुक नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में 05 अगस्त 2026 को 10.00 बजे विकास भवन सभागार, मेरठ में आयोजित जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव में प्रतिभाग करें तथा विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाने वाली लाभकारी जानकारियों एवं विभागीय योजनाओं का लाभ उठाकर अपने डेयरी व्यवसाय को अधिक सुद्रढ एवं लाभकारी बनाएं ।

भाजपा समर्थकों द्वारा कांग्रेस नेताओं के चित्र जलाने की घटना लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला

अयोध्या। कांग्रेस जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम तथा पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से भाजपा समर्थकों द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध लगाए गए कथित निराधार आरोपों तथा उनके चित्र जलाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब अयोध्या में चढ़ावे की चोरी की घटना सामने आई, जिससे पूरे विश्व में अयोध्या की छवि धूमिल हुई, तब भाजपा और स्वयंभू सनातन धर्म के ठेकेदार मौन रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के रोड शो में भगवान हनुमान का अभिनय कर रहे कलाकारों का प्रदर्शन कराया गया तथा हनुमान जी की छवि का विभिन्न आयोजनों में अनुचित ढंग से उपयोग किया गया, तब भी इन लोगों ने सनातन धर्म के सम्मान की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि आज एक नाट्य मंचन को आधार बनाकर अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं। यदि वास्तव में ये लोग सनातन धर्म के प्रति आस्था रखते हैं, तो उन्हें चढ़ावे की चोरी और धार्मिक प्रतीकों के कथित दुरुपयोग जैसे मुद्दों पर भी समान रूप से आवाज उठानी चाहिए थी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्वाग्रह से ग्रसित मानसिकता रखने वाले लोगों को प्रभु श्रीराम और हनुमान जी सद्बुद्धि प्रदान करें। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन के रवैये पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब विपक्षी दल किसी प्रकार का प्रदर्शन करते हैं, तो प्रशासन तत्काल सक्रिय होकर रोक–टोक करता है। किंतु आज भाजपा समर्थकों द्वारा विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं के चित्र जलाए गए और प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। उन्होंने इसे प्रशासन का दोहरा मापदंड बताते हुए इसकी निंदा की और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राजनीतिक विरोध के नाम पर इस प्रकार की उकसाऊ और अशोभनीय गतिविधियां लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध हैं।

चाणक्य परिषद देश के युवाओं व सवर्ण समाज के लोगों में भरेगी हुंकार

अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सवर्ण समाज की बैठक श्री भरत हनुमान मिलन मंदिर नंदीग्राम भरत कुंड में संपन्न हो गई। बैठक के मुख्य अतिथि पंडित कृपा निधान तिवारी और संचालन द्वारिका प्रसाद पांडे और अध्यक्ष परिषद के जिला अध्यक्ष लषणनधर त्रिपाठी ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित रहे सवर्ण समाज के नेताओं ने एक स्वर से छ बिंदुओ के प्रस्ताव को ध्वनि मत से स्वीकृति दिया आगामी 24 अक्टूबर को पाटलिपुत्र पटना से दिल्ली तक की चाणक्य रथ यात्रा निकालने पर सहमति जताई। इन छ बिंदुओं पर ज्ञापन देश के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से आगामी 6 अगस्त को कचहरी में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने उपस्थित होकर प्रेषित करने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षत्रिय समाज के नेता गुरु प्रसाद सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए सवर्ण आयोग का गठन आरक्षण आर्थिक आधार पर योग्यता आधारित पदों को छोड़कर समान नागरिक संहिता भगवान परशुराम के प्रकाट्य दिवस पर पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश और श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में भगवान परशुराम का भव्य मंदिर निर्माण यू जी सी काला कानून की वापसी की पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि सवर्ण समाज कि आज यह आवश्यकता है कि अपने युवाओ के भविष्य को देखते हुए इसका एकजुट होकर विरोध करें जिससे सामाजिक समरसता कायम हो और राष्ट्र का विकास हो क्षत्रिय समाज के अन्य नेताओं में गुरु प्रसाद सिंह देवनारायण सिंह धीरेंद्र प्रताप सिंह विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता नाथबख्श सिह राजकुमार उर्फ लवकुश श्रीवास्तव सहित बहुत सारे जातीय संगठन के नेताओं ने बैठक में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प दोहराया।चाणक्य परिषद जिला अध्यक्ष लषणधर त्रिपाठी, डॉक्टर राम तेज पांडे बाबूराम पांडे राम भरत पांडे ओम प्रकाश पांडे रज्जू देवी प्रसाद दुबे उमाशंकर तिवारी अभिमन्यु शुक्ला राज नारायण गुप्ता राधा मोहन तिवारी लक्ष्मी नारायण दुबे दिनेश कुमार मिश्रा हरिश्चंद्र सिंह आदि ने बैठक को संबोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आए हुए क्षत्रिय समाज के नेता गुरु प्रसाद सिंह और देवनारायण सिंह धीरेंद्र प्रताप सिंह को अंग वस्त्र देकर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी ने सम्मानित किया कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे हैं परिषद के जिला अध्यक्ष लषणधर त्रिपाठी धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित कृपा निधान तिवारी ने पूरे देश के सवर्ण समाज को जागने के लिए पटना से दिल्ली तक निकाली जा रही विशाल रथ यात्रा के संचालक पर विस्तार से चर्चा की और कहां की विना एकता के इसमें सफलता नहीं मिलेगी इसलिए सभी पूरे देश के सवर्ण समाज को इस आंदोलन में भाग लेकर सफल बनाने के लिए पूरे ताकत से लगना होगा रथयात्रा बैठक में आए हुए सम्मानित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सबका सहयोग करने की अपील किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित जातीय संगठन के नेताओं डॉ दिनेश कांत पान्डेय करूणा निधान तिवारी सूर्यपाल पांडे रघुवर सिंह अमरनाथ मिश्र अवधेश कुमार पांडे विनोद कुमार तिवारी केसरी प्रसाद राजबली तिवारी राधेश्याम सिंह सूर्यवंश गोकुल शुक्ला राधे श्याम पांडे सुभाष चंद्र मिश्र जगदीश चंद्र मिश्र राम धीरज पांडे राजेश द्विवेदी पंडित रामचंद्र मिश्रा शेषमणि तिवारी अरुण कुमार शुक्ला कृष्ण प्रसाद तिवारी राम सुरेंद्र मिश्रा पंडित कृष्ण कुमार तिवारी पंडित फूलचंद उपाध्याय भानु प्रताप सिंह कल्याण भदरसा देवेंद्र पांडे राम कल्प पांडे कंचन तिवारी विपिन सिंह बबलू शिव भोला सिंह संतोष तिवारी कृष्णानंद पांडे संजय कुमार शर्मा रोहित मिश्र आशा पांडे अवधेश मिश्र अशोक कुमार तिवारी रवि शंकर पांडे विवेक पांडे प्रांजल तिवारी राम तिलक पांडे पंडित राम सुरेंद्रमिश्र पुष्पेंद् तिवारी रवि तिवारी जयप्रकाश दुबे प्रदीप पाठक शिवाकांत दूवे गुरु प्रसाद सिंह बैठक की अध्यक्षता लषणधर त्रिपाठी संचालन द्वारिका प्रसाद पांडे जिला उपाध्यक्ष विक्रमाजीत तिवारी राजकुमार तिवारी सरल डॉ राम तेज पांडे विनोद तिवारी देवी प्रसाद दुबे सूर्य नारायण दुबे रज्जू उमाशंकर तिवारी कोषाध्यक्ष प्रयागदत्त त्रिपाठी आदि भारी संख्या में सवर्ण समाज के लोग उपस्थित रहे।

ब्लड मैन आकाश गुप्ता ने छतीसगढ़ में किया रक्तदान

-देश के दस राज्यों में कर चुके है 56 बार रक्तदान

अयोध्या। देश के सभी राज्यों में रक्तदान के लिए संकल्पित ब्लड बैंक आकाश गुप्ता ने मित्रता दिवस पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े ब्लड बैंक डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में अपना 56वाँ स्वैच्छिक रक्तदान कर एक और प्रेरणादायी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर महादानी बनें । इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अमित भारद्वाज ने उन्हें प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।ब्लड मैन के नाम से विख्यात आकाश गुप्ता अब तक देश के 10 राज्यों में रक्तदान कर चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ शामिल हैं। उनका उद्देश्य देश के प्रत्येक राज्य में रक्तदान कर मानवता, एकता और रक्त संबंधों की अद्भुत मिसाल स्थापित करना है। इस अवसर पर आकाश गुप्ता ने कहा, रक्तदान केवल एक सेवा नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा का सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। मेरा संकल्प है कि रक्तदान की यह मुहिम जन–जन का अभियान बने और देश का प्रत्येक स्वस्थ नागरिक नियमित स्वैच्छिक रक्तदाता बने। इसी उद्देश्य से मैंने भारत के सभी राज्यों में रक्तदान करने का संकल्प लिया है। उल्लेखनीय है कि आकाश गुप्ता का वास्तविक नाम शीतला प्रसाद गुप्ता है। वे दुर्लभ बी–नेगेटिव रक्त समूह के नियमित स्वैच्छिक रक्तदाता हैं। वर्ष 2016 से अब तक उनके नेतृत्व में 186 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से लगभग 12,000 जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया गया है। वे अंगदान का भी संकल्प ले चुके हैं। रक्तदान विषय पर उनके विचारों का प्रसारण आकाशवाणी अयोध्या से भी अनेक बार किया जा चुका है। इनके द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान महोत्सव का आयोजन भी करते है जिसमें देश के सभी राज्यों के रक्तवीर हिस्सा लेते है। रक्तदान एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें देश के लगभग 12 राज्यों में सम्मानित किया जा चुका है। उनकी इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में भी दर्ज है।

लोजपा ने दलित चौपाल व सदस्यता अभियान का किया आयोजन

अयोध्या। बारून बाजार चौराहा में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा दलित चौपाल एवं सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सर्वजीत कोरी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जमुई सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अरुण भारती तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेन्द्र कुमार मुन्ना, प्रदेश अध्यक्ष (मध्य) अरविन्द पासवान एवं प्रदेश अध्यक्ष (पूर्वी) राजीव पासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संचालन में अयोध्या मंडल प्रभारी सुनील सिंह एवं विधानसभा प्रभारी पतिराज भारती की भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, प्रदेश महासचिव एवं मीडिया प्रभारी लोकेश कुमार श्रीवास्तव, शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोहित कुमार, व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी,महिला प्रकोष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बहन कमला कुमारी, वेद प्रकाश, अमेठी जिलाध्यक्ष धर्मराज पासवान, कानपुर जिला अध्यक्ष विपिन यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अरुण भारती ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सामाजिक न्याय, समान अवसर एवं संविधान के मूल्यों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा विधानसभा चुनाव–2027 की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सदस्यता ग्रहण की तथा अपनी समस्याओं से पार्टी नेतृत्व को अवगत कराया।

पीएससी मुख्य आरक्षी के पद से सेवानिवृत होने पर ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

सोहावल–अयोध्या। तहसील क्षेत्र के सारंगापुर ग्राम पंचायत के मजरे बिसौली गांव निवासी मुल्क राज गोस्वामी पीएससी दसवीं वाहिनी में मुख्य आरक्षी के रूप में बाराबंकी में तैनात थे। जो 31 जुलाई को सेवानिवृत हो गये थे। जिनको पूर्व प्रधान नरसिंह नारायण सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने फूल माला व डीजे के साथ बिसौली पैतृक गांव वापसी होने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने यहां पहुंचकर संकट मोचन हनुमान मंदिर व बाबा बाल भारती को चरण स्पर्श किया। स्वागत कार्यक्रम में प्रधान नरसिंह नारायण सिंह,डा0 विजय पांडेय , ठेकेदार कमलेश सिंह,केशव राम गोस्वामी, सरदार गोस्वामी, यशवंत सिंह, प्रदीप सिंह,राम तीरथ फौजी, नयाब गोस्वामी,राजेश गोस्वामी,प्रधान संजय यादव,विक्रांत गोस्वामी आदि सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

गरीब बच्चों के साथ मनाया बेटी का प्रथम जन्मदिन

अयोध्या। दाना पानी सेवा संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क मोहल्ला कोचिंग सेंटर, निर्मलीकुण्ड, गुप्तारघाट में एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराष्ट्र से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन के लिए अयोध्या आए एक परिवार ने दाना पानी सेवा संस्थान के सेवा कार्यों को ऑनलाइन देखकर संस्थान से संपर्क किया। उन्होंने अपनी बेटी का प्रथम जन्मदिन किसी होटल, रेस्टोरेंट या पार्टी हॉल में मनाने के बजाय निःशुल्क मोहल्ला कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाने का निर्णय लिया कार्यक्रम के दौरान बच्चों के साथ केक काटा गया मिठाइयाँ एवं उपहार वितरित किए गए तथा सभी बच्चों के साथ स्नेह अपनापन और खुशियों के यादगार पल साझा किए गए। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और परिवार की संवेदनशील सोच ने उपस्थित सभी लोगों का हृदय जीत लिया। इस अनूठी पहल ने समाज को यह संदेश दिया कि यदि हम अपनी खुशियों में जरूरतमंद बच्चों को शामिल करें, तो उनके जीवन में भी आशा, आत्मविश्वास और सम्मान की नई किरण जगाई जा सकती है।इस अवसर पर दाना पानी सेवा संस्थान के अध्यक्ष् कुलभूषण साहू ने कहा कि दाना पानी सेवा संस्थान अयोध्या में संचालित निःशुल्क मोहल्ला कोचिंग सेंटरों के माध्यम से हजारों गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है। हमारा उद्देश्य अयोध्या के हर कोने तक पहुँचना है ताकि कोई भी बच्चा केवल आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा से वंचित न रहे।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने बाल तस्करी के खिलाफ छेडी मुहिम

-जिले में जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति ने लिया निर्णायक संकल्प

चित्रकूट। जनपद में बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठन जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति ने विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी दिवस पर नई दिल्ली में नेशनल कैंपेन अगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग की शुरुआत के मौके पर बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ निर्णायक जंग का एलान करते हुए कहा कि सरकार, प्रशासन व आम नागरिकों के सहयोग से वे जिले से ट्रैफिकिंग पर पूरी तरह से रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध हैं। ट्रैफिकिंग रोकने के लिए जिले में जागरुकता अभियान चलाने के साथ–साथ ट्रैफिकरों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। साथ ही सरकार व प्रशासन के सहयोग से हाशिये के परिवारों की पहचान कर उन्हें व बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोडा जाएगा। ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें और ट्रैफिकिंग गिरोहों के चंगुल में फंसने से बच सकें। बच्चों की ट्रैफिकिंग यानी बाल दुर्व्यापार के खिलाफ यह राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का फैसला नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जमीन पर काम कर रहे 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी के देश के 782 जिलों से आए सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों के चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श इंस्योरिंग ए चाइल्ड राइट्स, पोटेंशियल एंड प्रासपेरिटी में लिया गया। यह कैंपेन 2030 तक चलाया जाएगा। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप कार्यक्रम चला रहा है और इसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों से देशभर में 1,22,516 बच्चों को ट्रैफिकिंग से बचाया गया। संगठन जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इस परामर्श के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि किसी भी बच्चे की जिंदगी बचाना सबसे नेक काम होता है। छोटी उम्र की बच्चियां ट्रैफिकिंग की शिकार हो जाती हैं और फिर कभी अपने घर नहीं लौट पातीं। ऐसी बच्चियों को किसी फरिश्ते का इंतजार होता है और इन्हें यौन शोषण के दलदल से मुक्त कराने वाले नागरिक समाज संगठनों के स्वयंसेवी किसी फरिश्ते से कम नहीं होते। इस मौके पर जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति के सचिव शंकर दयाल ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि देश में रोजाना छह बच्चों की ट्रैफिकिंग होती है और पांच बच्चों को जबरन मजदूरी के लिए मजबूर किया जाता है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि हर घंटे 11 बच्चे गुम हो जाते हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे ट्रैफिकिंग का ही शिकार होते हैं। ह्यूमन ट्रैफिकिंग हथियारों और ड्रग्स के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है। महिलाएं और बच्चे खास तौर से इसके निशाने पर हैं क्योंकि इनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा देह व्यापार और बच्चों से बंधुआ मजदूरी के रास्ते आता है। असंगठित क्षेत्र में बच्चों से बाल मजदूरी ट्रैफिकिंग का सबसे नि.ष्ठतम रूप है।' उन्होंने कहा कि ट्रैफिकर यानी बाल दुर्व्यापारी कहीं बाहर से नहीं आते। वे आस पास के ही होते हैं जो आर्थिक .ष्टि से कमजोर परिवारों के बच्चों को नौकरी या अच्छे जीवन का लालच देकर साथ ले जाते हैं और फिर उन्हें वेश्यावृत्ति, भिक्षावृत्ति और बंधुआ मजदूरी के दलदल में धकेल देते हैं। हमारा फोकस ट्रैफिकिंग की रोकथाम और बच्चों को सुरक्षित बचाने के प्रभावी उपायों पर रहेगा। सरकार व प्रशासन के सहयोग से हम हाशिये के परिवारों की पहचान करेंगे और उनके बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोड़ेंगे। ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें और ट्रैफिकिंग गिरोहों के चंगुल में फंसने से बच सकें।

समापन अवसर पर मौजूद राजा बुन्देला, साधु-संत व आमजन।

चित्रकूट। बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा बुंदेला के नेतृत्व में शुरू हुई गांव–गांव पांव–पांव यात्रा कामतानाथ मंदिर में पूजन के साथ सम्पन्न हुई। इसके बाद गायत्री शक्तिपीठ में वृहद गोष्ठी में संतों और उपस्थितजनों ने पृथक बुंदेलखंड राज्य का संकल्प दोहराया। तय हुआ कि विचार क्रांति की मशाल को अब बुझने नहीं दिया जाएगा।

सात दिवसीय यात्रा में जिले के भरतकूप, पहाड़ी, राजापुर, तिरहार, मानिकपुर और नगर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दर्जनों जगहों पर कार्यक्रम करके पृथक बुंदेलखंड राज्य के लिए जनसमर्थन जुटाया। रविवार को कामतानाथ मंदिर में पूजन करके यात्रा का विश्राम किया गया। यहां संत मदनगोपाल महराज की अगुवाई में पूजन आदि हुआ। उन्होंने यात्रा को पूर्ण सफल बताया। इसके बाद गायत्री शक्तिपीठ में वृहद गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी को संत मदनगोपाल दास महराज ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बुंदेलखंड का अधूरा सपना जल्द ही पूर्ण होगा। मशाल जल चुकी है बस अब उसे बुझने नहीं देना। महंत दिव्यजीवन दास महराज ने कहा कि राजा बुंदेला का संघर्ष बुंदेलखंडी कभी भुला नहीं पाएंगे। गायत्री शक्तिपीठ के डा. रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि राजा बुंदेला ने इस आंदोलन में जीवन खपा दिया और मील के पत्थर बन गए। आज नहीं तो निश्चय कल बुंदेलखंड राज्य अवश्य बनेगा।बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिल्म अभिनेता राजा बुंदेला ने कहा कि स्वराज्य की लड़ाई अब अंतिम पायदान में है। वह दिन दूर नहीं जब बुंदेलों का अपना बुंदेलखंड राज्य मिलेगा। सभी लोग विचार क्रांति की मशाल को जलाए रखें। सोशल मीडिया में इस मांग को इतना तेज कर दें कि दिल्ली तक गूंज सुनाई दे। गोष्ठी को यात्रा प्रभारी पूर्व विधायक दिनेश प्रसाद मिश्र ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बुंदेलखंड राज्य बनाने के लिए सभी को एकजुट होना पड़ेगा। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि विचार क्रांति को अब तेज करना ही लक्ष्य रहेगा। यात्रा समापन में बुंदेली समाज महोबा के अध्यक्ष तारा पाटकर, डा. आश्रय सिंह शिवहरे महोबा, नीरज निगम, राकेश बाजपेई, राजू तोमर, संतोष श्रीवास्तव बांदा, भाकियू, किसान के राष्ट्रीय महासचिव प्रताप बुंदेला, राजन धमेरिया दिल्ली, सुमासपा के राष्ट्रीय सचिव कालूराम प्रजापति, अशोक पांडेय, बुंदेलखंड राष्ट्र समिति प्रवीण पांडेय, राजा सिंह परिहार, पवनदीप निषाद आदि शामिल रहे।

आशीष केशरी बने रामलीला कमेटी ड्रमंडगंज के अध्यक्ष

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। आदर्श श्रीराम लीला कमेटी ड्रमंडगंज की शनिवार की रात रामलीला मंच पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से आशीष केशरी उर्फ गुड्डू को रामलीला कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अंजनी सोनी ने बताया कि बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आशीष केशरी के नाम पर सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर आशीष केशरी ने रामलीला कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा आगामी रामलीला के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए सभी के सहयोग से कार्य करेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान कौशलेंद्र गुप्ता,रामलीला कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अंजनी सोनी, लवकुश केशरी, शत्रुघ्न केशरी, तारकेश्वर केशरी, अनिल केशरी, दिलीप चौरसिया, शिवम केशरी, ओंकार केशरी, विजय पाल, अनूप केशरी, बाबा केशरी सहित रामलीला कमेटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

आयुक्त मेरठ व डीआईजी ने अधिकारियो के साथ किया बाबा औघडनाथ मंदिर का निरीक्षण, व्यवस्थाओ का लिया जायजा

मेरठ। कांवड यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ भानु चन्द्र गोस्वामी, डीआईजी कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह, एसएसपी अविनाश पांडे द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ बाबा औघडनाथ मंदिर का निरीक्षण किया गया। उन्होने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओ तथा कांवडियो के आने–जाने की व्यवस्था, निर्धारित रूट, बैरिकेडिंग, पेयजल, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम, पार्किंग व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओ का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। उन्होने मंदिर समिति के सदस्यो से वार्ता कर मंदिर में समस्त व्यवस्थाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की। सभी अधिकारियो ने बाबा औघडनाथ मंदिर में जलाभिषेक भी किया इस अवसर पर जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह, एसएसपी अविनाश पांडे, नगर आयुक्त सौरभ गंगवार, उपाध्यक्ष एमडीए संजय कुमार मीणा, सीएमओ डा0 राम प्रसाद, अपर आयुक्त अमित कुमार, एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले, एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह, अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी, मंदिर समिति के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान के कांवड़िये की मेरठ के जिला अस्पताल में मृत्यु

रोहटा (मेरठ)। चौधरी चरण सिंह का कांवड़ पटरी मार्ग पर रविवार की सुबह अचानक एक कांवड़िया का स्वास्थ्य खराब हो गया। उसे शिविर संचालकों ने आनन–फानन में एंबुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया। दोपहर बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर एंबुलेंस से शिविर में भेज दिया गया, लेकिन दोपहर बाद अचानक चक्कर आकर गिर गया। उसे फिर से एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय लेकर गए। लेकिन वहां चिकित्सक ने उसको मृत घोषित कर दिया। बैग में मिले आधार कार्ड के आधार पर पुलिस उसके स्वजन से संपर्क करने में जुटी है।जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह दस बजे डूंगर गांव के सामने एक कांवड़िया बैठा हुआ गिर गया। उसे सेवा शिविर संचालकों ने आनन–फानन में एंबुलेंस की मदद से रोहटा सीएचसी में भर्ती कराया। उपचार के बाद आराम होने पर उसे एंबुलेंस की मदद से डूंगर कांवड़ सेवा शिविर में छोड़ कर आराम करने के लिए कहा गया, लेकिन दोपहर दो बजे के बाद अचानक वह बैठे–बैठे पीछे को गिर गया। सेवा शिविर संचालकों ने उसको फिर से एंबुलेंस बुलाकर जिला चिकित्सालय भेज दिया गया, लेकिन अस्पताल में चिकित्सक ने उसको मृत घोषित कर दिया।कांवड़िया के बैग में मिले आधार कार्ड में उसका नाम अजीत उम्र 70 पुत्र श्योराज सिंह निवासी सरायं कलां जिला खैरथल के मुंडावर तहसील राजस्थान के रूप में हुई। पुलिस आधार कार्ड के पते के आधार पर उसके स्वजन से संपर्क करने में जुटी है।

पागल कुत्ते के काटने के 18वें दिन बालक की मौत

क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोझ फार्म परिसर में पागल कुत्ते के काटने से घायल कक्षा दो के छात्र की 18वें दिन रविवार को मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार 15 जुलाई को बाउंड्रीवाल कूदकर आया पागल कुत्ते ने बोझ गांव निवासी भास्कर द्विवेदी के आठ वर्षीय पुत्र श्याम और आंगनबाड़ी की चार वर्षीय छात्रा जान्हवी को काट लिया था। श्याम का इलाज मऊ सीएचसी और जिला अस्पताल में चला। रेबीज के तीन डोज लगने के बाद 29 जुलाई को उसे छुट्टी दे दी गई। एक अगस्त को फिर तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया। रविवार सुबह घर लाने के बाद हालत बिगड़ी तो झाड़फूंक कराई। हालत न सुधरने के निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बीईओ केडी पांडेय ने इलाज की पुष्टि की। सीएमएस डॉ. शैलेंद्र कुमार ने कहा कि फाइल देखकर मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा।

मंदिरों का भ्रमण कर एएसपी ने सुरक्षा का लिया जायजा

चित्रकूट। श्रावण मास व आगामी सोमवार के .ष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने को अपर एसपी पीयूषकांत राय ने प्रभारी निरीक्षक पहाडी निशिकान्त राय की उपस्थिति में थाना पहाड़ी क्षेत्र स्थित पालेश्वर नाथ मंदिर एवं नादी के हनुमान जी मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान दौरान मंदिर परिसर, प्रवेश एवं प्रबंधन के संबंध में संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता एवं प्रभावी पुलिस व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

डबल इंजन सरकार ने डबल गति से किया पिछडे वर्ग का विकास : कुलदीप

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कुलदीप विश्वकर्मा ने चित्रकूट के दौरे पर विश्वकर्मा समाज के बुद्धजीवियों एवं युवाओं से संवाद किया। भाजपा पिछड़ा मोर्चा के पदाधिकारियों से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष आलोक पाण्डेय, जिला मंत्री अखिलेश रैकवार, पप्पू विश्वकर्मा, पुष्पराज विश्वकर्मा, विजय किशोर विश्वकर्मा मौजूद रहे। सदस्य राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने समाज के लोगों से संवाद करते हुए कहा कि भाजपा ने सामाजिक न्याय के कार्य को विस्तार दिया है। संगठन से लेकर सरकार तक पिछड़े वर्ग की अनेक जातियों को समायोजित करके सामाजिक न्याय के व्यापक सन्दर्भ को क्रियान्वित किया है। भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने डबल गति से पिछड़े वर्ग के विकास को धरातल पर उतारा है। जहां पूर्व की सरकारें पिछड़े वर्ग की एक दो जातियों तक ही सीमित थी वहीं भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने बढ़ई, लोहार, कुम्हार, कहार, आरख, सुनार, काछी, माली, तेली, नाई, भुर्जी, हलवाई, कलार, केवट, मल्लाह, गड़रिया, ठठेरा, पनबरेज, पटवा आदि सभी अतिपिछड़ी, महापिछड़ी जातियों को समायोजित करके वास्तविक सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया है। पप्पू विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज के एकीकरण के लिए युवाओं को आगे आना होगा। पुष्पराज विश्वकर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार ने पारदर्शी रूप से नीतियों का निर्धारण करके पिछड़े वर्ग की अधिकांश जातियों को लाभान्वित किया। विजयकिशोर ने कहा कि भाजपा और उसके विचार परिवार में विश्वकर्मा समाज का समुचित प्रतिनिधित्व दिखाई देता है।अखिलेश रैकवार ने कहा कि भाजपा ही पिछड़े वर्ग की सच्ची हितैषी पार्टी है। भाजपा ने पिछड़े वर्ग की वंचित जातियों को अवसर दिया है। इस अवसर पर सीए रामलाल विश्वकर्मा, शिक्षक केपी विश्वकर्मा, अंकित विश्वकर्मा, लवलेश निषाद, मुन्नालाल प्रजापति, राघव निषाद, रामकृपाल विश्वकर्मा, रोहित, नीरज, रवि गुप्ता, सोनू मोदी के साथ समाज के युवा व प्रबुद्धजन सहभागी हुए।

ग्रामवासियों ने संत गुरु रविदास की 650 वीं जयंती वर्ष कलश वंदन यात्रा का किया भव्य स्वागत

मीरजापुर। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती वर्ष कलश वंदन यात्रा के अंतर्गत कोन मंडल के चेकसारी, पुरजागीर, कमासिन, भोगांव एवं खुलुआ ग्राम में श्रद्धापूर्वक कलश यात्रा का स्वागत किया। जनपद में पवित्र कलश यात्रा के आगमन पर श्रद्धा, आस्था एवं उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। जिला एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं तथा श्रद्धालुओं ने कलश का भव्य स्वागत करते हुए आरती एवं विधिवत पूजा–अर्चना की। इसी क्रम में भाजपा कोन मंडल के तत्वावधान में कमासिन बारीपुर स्थित अंबेडकर पार्क में वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर जन्मस्थली की पवित्र माटी से सुशोभित कलश के आगमन पर कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भव्य स्वागत एवं पूजन–अर्चन किया। तत्पश्चात भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही यह पवित्र कलश यात्रा श्रद्धा, आस्था एवं सामाजिक समरसता का अनुपम प्रतीक है। संत रविदास का जीवन और उनके विचार आज भी समाज को सत्य, समता, भाईचारे और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है। उन्होंने सभी से संत गुरु रविदास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा जाति, वर्ग एवं भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सद्भाव और समानता पर आधारित समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न।

नशा मुक्त युवा फार विकसित भारत अभियान मिर्जापुर में वर्चुअल वेबकास्ट के माध्यम से किया कार्यक्रम का आयोजन

मीरजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अंतर्गत जिले में ब्रह्माकुमारीज के सहयोग से बिंदु दीदी जी के मार्गदर्शन में ब्रह्माकुमारीज के श्रम्भु उपहार भवन में एक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव वर्चुअल वेबकास्ट प्रदर्शित किया गया, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के 200 से अधिक मिर्जापुरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य देशभर के आध्यात्मिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों तथा युवा संगठनों को एक मंच पर लाकर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करना है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने ष्नशा मुक्त भारतष् की शपथ ली। यह शपथ समारोह जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश तथा भारत जिला युवा अधिकारी प्रतीक साहू की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अभियान के लक्ष्यों के प्रति जिले की प्रतिबद्धता दोहराई। आगे चलकर, नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज एवं माय भारत द्वारा अगले दो वर्षों तक प्रत्येक रविवार को समाज हित में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ब्रह्माकुमारीज द्वारा 6 से 20 अगस्त तक 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान चलाया जा रहा है। मेरा युवा भारत सभी से अपील करता है कि वे नशा मुक्त भारत की शपथ अवश्य लें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 1 लाख युवाओं ने इस शपथ में अपनी भागीदारी दर्ज कराई है।

मेरठ में 3 से 12 अगस्त तक सभी स्कूल-कालेज बंद, डीएम का आदेश जारी

मेरठ। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और यातायात डायवर्जन को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. वीके सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद मेरठ के सभी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं तकनीकी संस्थान 3 अगस्त से 12 अगस्त तक बंद रहेंगे।आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 12 तक के सभी विद्यालय, जिनमें बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा बोर्ड तथा अन्य सभी बोर्डों से संबद्ध शिक्षण संस्थान शामिल हैं, इस अवधि में पूर्णतः बंद रहेंगे। इसके अलावा जनपद के सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा तकनीकी संस्थान भी 3 से 12 अगस्त तक बंद रहेंगे। हालांकि जिन पाठ्यक्रमों या विषयों की परीक्षाएं पहले से निर्धारित हैं, वे पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएंगी।जिलाधिकारी ने आदेश में कहा है कि श्रावण मास के दौरान हरिद्वार से आने वाले कांवड़ियों की बड़ी संख्या को देखते हुए विभिन्न कांवड़ मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू किया गया है। विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।जिला प्रशासन ने सभी शिक्षण संस्थानों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

जीआरपी थानाध्यक्ष ने लोगों से की अपील

चित्रकूट। जीआरपी थाना अध्यक्ष शालिनी सिंह भदौरिया ने बताया कि मौदहा जिले के कपसा ग्राम निवासी सत्यवीर सिंह (44) पुत्र उमाशंकर सिंह बीते 13 जुलाई को भरतकूप रेलवे स्टेशन से ट्रेन में चढे हैं लेकिन अपने घर नहीं पहुंचे। इस संबंध में परिजनों की तहरीर पर एक अगस्त को गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि गुमशुदा व्यक्ति के संबंध में कोई भी जानकारी होने पर थाना जीआरपी कर्वी को सूचित करें।

इंटर कालेज में युवाओं को नशा न करने की दिलाई शपथ

चित्रकूट। नशा मुक्ति युवा, विकसित भारत कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तत्वावधान में शहर स्थित चित्रकूट इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एलईडी और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन दिखाया गया। कहा कि युवा तरुणाई विकसित भारत की आधारशिला है। इस नशा रुपी दैत्य से सभी को डटकर मुकाबला करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत संयोजक अजीतराय ने सभी युवाओं को नशे से मुक्ति के लिए शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में विभाग केंद्र मंत्री विकास, विभाग मंत्री मयंक, विभाग संयोजक प्रांत सुरक्षा प्रमुख अजय, प्रांत समरसता टोली के सदस्य रामशरण, प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख टोली के सदस्य अमित, विभाग सह संयोजक सचिन, जिला अध्यक्ष राजेंद्र, जिला मंत्री नीरज केसरवानी, जिला सह मंत्री सिद्धार्थ, जिला संयोजक अंकित, जिला सहसंयोजक प्रणव, जिला गोरक्षा प्रमुख विमल, सुरक्षा प्रमुख स्वप्निल, सह सुरक्षा प्रमुख अमित, जिला मातृशक्ति सह संयोजिका नीलम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रामायण मेला परिसर में हुआ श्री कामदः पार्थिव हिंग महाभिषेक

चित्रकूट। श्रावण मास और रौद्र संवत्सर के संयोग में रविवार को राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर में राष्ट्र की सुख शांति और रक्षा के संकल्प के साथ दिव्य भव्य श्री कामदः पार्थिव हिंग महाभिषेक का आयोजन किया गया। धार्मिक मान्यता है कि श्रावण भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस मास में पार्थिव पूजा और विशेष अभिषेक से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और राष्ट्र पर आने वाले संकट दूर होते हैं। इसी आस्था के साथ प्रातः आठ बजे से दोपहर 12 बजे तक भागवत भूषण बृजेन्द्र शास्त्री महाराज के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक और लिंगग महाभिषेक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति के कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रशान्त करवरिया ने बताया कि यह महासंकल्प देश की एकता और समृद्धि के लिए किया गया है। इस मौके पर पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, डॉ निर्मला गेहानी, डॉ वीके अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सचिव ने कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ की बैठक

चित्रकूट। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव नीलांशु चतुर्वेदी के आवास में रविवार को जनपद के पदाधिकारियों ने किसान नेता सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि के मौके पर संपन्न हुआ। पूर्व विधायक नीलांशु चतुर्वेदी ने कहा कि पांच अगस्त को बागपत में किसान नेता सतपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि मनाई जाएगी। कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने जनपद के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से अपील करतें हुए कहा है कि उक्त कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष शिव गुलाम वर्मा, जिला सेवादल अध्यक्ष चुनवाद प्रसाद, पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह पटेल, जिला सचिव ओम प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्रवण कुमार शुक्ला, नरवेश सचान, कल्याण सिंह पटेल, भाऊराम कुशवाहा आदि प्रमुख कांग्रेसी मौजूद रहे।

आईजीआरएस में जनपद की बड़ी उपलब्धि, प्रदेश में मिली चौथी रैंक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग के मार्गदर्शन एवं सतत प्रयासों के फलस्वरूप जनशिकायतों के निस्तारण में जनपद ने प्रदेश में चौथी रैंक' प्राप्त की है। डीएम ने हर विभाग की नियमित व सूक्ष्म समीक्षा की। जिसके परिणामस्वरूप शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण संभव हो सका। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे समयसीमा से पूर्व ही शिकायतों का समाधान करें तथा शिकायतों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवेदकों, लाभार्थियों से सीधे संवाद कर उनका फीडबैक दर्ज करें। उन्होंने बताया कि 2742 शिकायतकर्ता से फीडबैक लिया गया। जिसमें 72 प्रतिशत लोगों द्वारा संतुष्ट फीडबैक दिए गए। डीएम ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित व पारदर्शी निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में जनपद को प्रथम स्थान पर लाने के प्रयास जारी रहेंगे।

पुलिस ने किया पैदल मार्च

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारियों के बनाये रखने के लिए पुलिस के थाना, चौकी प्रभारियों ने क्षेत्र के मिश्रित आबादी क्षेत्र एवं भीड वाले स्थानों पर पैदल गस्त किया। पुलिस टीमों द्वारा दुकानदारों, व्यापारियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने का भरोसा दिया। पुलिस टीम ने सड़क पर हो रहे अतिक्रमण, शराब की दुकान, रेलवे स्टेशनों, होटल, ढाबा एवं दो, चार पहिया वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गयी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरतार

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर अजीत कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में निरीक्षक राजकुमार वर्मा व उनकी टीम ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी चिराग सैनी को गिरतार किया है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में निरीक्षक राजकुमार वर्मा ने टीम के साथ नाबालिग के साथ बलात्कार, अश्लील वीडियो वायरल करने, गालीगलौज व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी सिद्धार्थ पुत्र विश्वास द्विवेदी को गिरतार किया है।

अलग-अलग थाना पुलिस ने पकड़े 12 वारंटी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में वाँछित, वारण्टी की गिरतारी को चलाए जा रहे विशेष अभियान

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में बड़ा बदलाव, बीसीसीआई ने किया जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी इंजरी से रिकवर न होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुमराह की जगह पर जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सय् पर बताया कि बुमराह अपने बाएं घुटने की इंजरी से समय रहते रिकवर नहीं हो सके हैं और इसी कारण वह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। बुमराह को यह चोट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी थी। बुमराह का बाहर होना भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बुमराह के स्थान पर घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को बुमराह की स्थान पर टीम में मौका मिला है। नबी ने जम्मू–कश्मीर को इस बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 60 विकेट अपने नाम किए थे। पिछले दो रणजी सीरीज में नबी 104 विकेट निकाल चुके हैं। वह हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम का हिस्सा भी रहे थे, जहां उन्होंने दो मुकाबलों में 6 विकेट झटके थे। नबी के पास इंटरनेशनल स्टेज पर अपनी काबिलियत को साबित करने का यह सुनहरा मौका होगा। आकिब अब तक खेले 43 फर्स्ट क्लास मैचों में 18 की औसत से 162 विकेट चटका चुके हैं और उन्होंने एक पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा 16 बार किया है। वहीं, लिस्ट–ए क्रिकेट में आकिब 36 मुकाबलों में 27 की एवरेज से 56 विकेट निकाल चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के कारण आकिब को भारतीय टेस्ट टीम में जगह देने की मांग लंबे समय से उठ रही थी। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। पहला टेस्ट मैच गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में

खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 23 अगस्त से होना है, जो कोलंबो में खेला जाना है। सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय मैच खेलेगी, जिसकी शुरुआत 7 अगस्त से होनी है।

जूडो में पहली बार गोल्ड, मुक्केबाजों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, इन 5 वजहों से भारत के लिए यादगार रहा सीडब्ल्यूजी 2026

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ समापन हुआ। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हुए गेम्स में भारत का प्रदर्शन यादगार रहा। रेसलिंग, बैडमिंटन और हॉकी जैसे महत्वपूर्ण खेलों की गैरमौजूदगी के बावजूद भी भारत की झोली में कुल 39 मेडल आए। आइए आपको बताते हैं किन 5 वजहों से देश के लिए यादगार रहा इस बार का कॉमनवेल्थ गेम्स। भारतीय मुक्केबाजों का जलवारू कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन यादगार रहा। भारत ने इस खेल में कुल 10 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड मेडल शामिल रहे। यह पहला मौका रहा जब मुक्केबाजी में भारत की झोली में 7 गोल्ड मेडल आए। खासतौर पर भारत की बेटियों ने ग्लासगो में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में श्गोल्डन पंचश लगाया। महिला मुक्केबाजों ने 5 गोल्ड और एक सिल्वर जीता, जबकि पुरुष मुक्केबाजों ने 2 गोल्ड और 2 सिल्वर अपने नाम किए। जूडो में ऐतिहासिक गोल्डरू भारत का प्रदर्शन जूडो में भी इस बार यादगार रहा। पहली बार भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस खेल में गोल्ड मेडल जीता। अस्मिता डे के साथ–साथ हर्ष सिंह ने भी गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। वहीं, कुल मिलाकर जूडो में भारत ने इस बार 4 मेडल पर कब्जा जमाया। यामिनी मौर्य ने सिल्वर और उन्नति शर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। मीराबाई चानू ने लगाई गोल्ड की हैट्रिकरू कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल लाने की सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रहीं मीराबाई चानू देश की उम्मीदों पर एकदम खरी उतरीं। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में 48 किलोग्राम वर्ग में 190 किलो का भार उठाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मीराबाई ने यह लगातार तीसरी कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतकर हैट्रिक लगाई।

गुलवीर सिंह का यादगार प्रदर्शनरू भारत के लॉन्ग डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपने प्रदर्शन से इतिहास रचा। गुलवीर ने पुरुषों

की 10 हजार मीटर फाइनल स्पध र्ाा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके बाद वह 5 हजार मीटर की रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। गुलवीर एक कॉमनवेल्थ गेम्स में दो मेडल जीतने वाले श्ट्रैक एंड फील्डश में पहले भारतीय खिलाड़ी बने।शर्मिला धनखड़ का गोल्ड भारत की पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रचा। उन्होंने शॉट पुट एफ57 में 20 साल का सूखा खत्म करते हुए भारत की झोली में गोल्ड मेडल डाला। शर्मिला ने 9.81 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

मीराबाई चानू ने की केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से खास मुलाकात, भेंट की जर्सी

नई दिल्ली । भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और मुख्य राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग कोच ने केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्होंने मंत्री को भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के सभी खिलाड़ियों द्वारा साइन की गई जर्सी भेंट की। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और फिर क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाकर एक और गेम्स रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर इस मुलाकात की वीडियो शेयर की। उन्होंने भारतीय महिला एथलीट की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा,

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार जीत के बाद घर वापसी पर स्वागत है मीराबाई चानू। उन्होंने वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर एक बार फिर भारत का मान बढ़ाया है। सभी वेटलिफ्टिंग खिलाड़ियों के साइन वाली टी–शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद ।किरेन रिजिजू ने वीडियो में मीराबाई चानू से कहा, मैंने कहा कि पेरिस ओलंपिक में मैं थोड़ा दुखी था, लेकिन इस बार आपने दिल खुश कर दिया। मुझे यकीन था कि इस बार तो गोल्ड ही आएगा। मीराबाई ने कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा। वह गोल्ड की हैट्रिक पूरी करने वाली दुनिया की पहली वेटलिफ्टर हैं ।मीराबाई चानू का कॉमनवेल्थ गेम्स में यह चौथा मेडल रहा। इससे पहले उन्होंने ग्लासगो 2014 में 48 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था, जबकि गोल्ड कोस्ट 2018 और बर्मिंघम 2022 में गोल्ड मेडल को अपने नाम किया था ।रविवार को ग्लासगो से लौटने पर मीराबाई का जोरदार स्वागत हुआ। टीम की सफल यात्रा का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों समर्थक इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जमा हुए थे। नई दिल्ली पहुंचने के बाद, मणिपुर की इस स्टार खिलाड़ी ने अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व जताया।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, मणिपुर से होने के नाते, मुझे बहुत गर्व है कि मैंने अपने देश के लिए कुछ अच्छा किया है। मीराबाई के साथ–साथ सिल्वर मेडल जीतने वाले लवप्रीत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव और ऋषिकांत शर्मा भी मेडल जीतकर स्वदेश लौटे।

अमेरिका को पछाड़ भारत ने सोलर एनर्जी में दुनिया को दिखाया दम, बिजली की कीमत सुन रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली । भारत में स्थापित सोलर एनर्जी क्षमता 2014 में सिर्फ 3 गीगावाट से बढ़कर 30 जून, 2026 तक 162.15 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई है, जो देश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई ।सरकारी फैक्टशीट में कहा गया है कि देश ने 2025 में 37 गीगावाट सोलर क्षमता जोड़ी, जिससे सालाना क्षमता बढ़ोतरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर ग्रोथ मार्केट बन गया। सोलर सेक्टर में सबसे अहम बदलावों में से एक पिछले दशक में बिजली की दरों में आई कमी है। यह श्ई–रिवर्स ऑक्शनय् सिस्टम के जरिए हुई बोली की वजह से हुआ, जिसमें कंपनियां सबसे कम दर पर बिजली आपूर्ति करने के लिए मुकाबला करती हैं। जैसे–जैसे अधिक डेवलपर्स ने हिस्सा लिया, दरें 2010 में लगभग 18 रुपए प्रति यूनिट से घटकर 2.44 रुपए प्रति यूनिट के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गईं ।दरों में कमी ने सोलर पावर को काफी सस्ता बना दिया है। इसके चलते, भारत दुनिया के सबसे कम लागत वाले सोलर पावर मार्केट में से एक बनकर उभरा है। 2025 में, यूटिलिटी–स्केल सोलर पीवी से बिजली की लेवेलाइज्ड कॉस्ट ऑफ इलेक्ट्रिसिटीय् (एलसीओई) 35 डॉलर प्रति मेगावाट थी, जो 44 डॉलर प्रति मेगावाट के ग्लोबल औसत से काफी कम है। 31 जुलाई, 2026 को श्प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजनाय् (पीएम–एसएसवाई) को मंजूरी मिलने से भारत के सोलर सेक्टर को बड़ा बढ़ावा मिला है। इस योजना का मकसद श्एनर्जी स्टोरेज सिस्टमय् (ईएसएस) के साथ 5,000 मेगावाट के श्फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिकय् (एफएसपीवी) प्रोजेक्ट्स को सपोर्ट करना है। कम से कम दो घंटे (10,000 मेगावाट) की स्टोरेज क्षमता वाला ईएसएस राज्यों को पीक डिमांड को मैनेज करने में और मदद करेगा। मौजूदा जलाशयों और इंडस्ट्रियल तालाबों का इस्तेमाल करके, यह योजना जमीन जैसे सीमित संसाध ानों पर दबाव कम करेगी। यह इंटीग्रेटेड एनर्जी स्टोरेज के जरिए ग्रिड की विश्वसनीयता को भी बेहतर बनाएगी। 5,070 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह योजना वित्त वर्ष 2026–27 से 2030–31 तक लागू की जाएगी।

भारत में बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स की स्थापित क्षमता 118.79 गीगावाट

है। कुछ बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में भादला सोलर पार्क (राजस्थान), पावगाडा सोलर पार्क (कर्नाटक) और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम से 27.88 गीगावाट की क्षमता मिलती है। बाकी क्षमता हाइब्रिड सोलर प्रोजेक्ट्स और ऑफ–ग्रिड सोलर सिस्टम से आती है। हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स में सोलर पावर के साथ बैटरी स्टोरेज या दूसरे पावर सोर्स का इस्तेमाल होता है, जबकि ऑफ–ग्रिड सिस्टम उन इलाकों में बिजली पहुंचाते हैं जो ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।

देश की कुल गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 283.46 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें 274.68 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता शामिल है। 29 जुलाई 2025 को, रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स ने भारत की बिजली की 51.5 प्रतिशत मांग पूरी की, जो अब तक का सबसे अधिक मासिक हिस्सा है। ग्लासगो में कोप26 के दौरान, भारत ने श्पंचामृतय् लक्ष्यों की घोषणा की, जिसमें 2030 तक 500 गीगावाट की गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता और 2070 तक नेट–जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य शामिल हैं।

देश की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों का मार्केटकैप 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई ,। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार मूल्यांकन बीते हफ्ते 2.51 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह इक्विटी बाजार में मजबूत रैली थी। 27–31 जुलाई के कारोबारी सत्र में जिन कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है उनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, लाइफ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का नाम शामिल है।इस दौरान केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के ही मार्केट कैप में ही गिरावट आई। बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपए बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।यह तेजी कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2026–27 की जून तिमाही में समेकित कर–पश्चात लाभ में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करने के बाद आई। इसके चलते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए।भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 44,959.50 करोड़ रुपए बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, टीसीएस के मार्केट कैप में 40,414.03 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 8,55,894.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी मजबूत बढ़त दर्ज की। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 39,447.35 करोड़ रुपए बढ़कर 17,69,108. 79 करोड़ रुपए हो गया।लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 21,096.80 करोड़ रुपए बढ़कर 5,41,844.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 10,845.97 करोड़ रुपए बढ़कर 9,47,799. 81 करोड़ रुपए हो गया।एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,164.73 करोड़ रुपए बढ़कर 11,52,150.63 करोड़ रुपए हो गया।एलआईसी का मार्केट कैप 4,427.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5,37,435.05 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 1,660.37 करोड़ रुपए बढ़कर 10,29,878.30 करोड़ रुपए हो गया। इसके विपरीत, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 10,326.46 करोड़ रुपए घटकर 4,93,602.13 करोड़ रुपए रह गया। यह बीते हफ्ते शीर्ष 10 में एकमात्र कंपनी थी, जिसके मार्केटकैप में कमी आई। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

चेल्सी एफसी ने अर्जेंटीना के खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को किया साइन, 2033 तक का हुआ करार

लंदन। चेल्सी एफसी ने आरसी स्ट्रासबर्ग से अर्जेंटीना के इंटरनेशनल खिलाड़ी वैलेंटीन बारको को साइन करने की पुष्टि की है। मिडफील्डर ने 2033 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। अर्जेंटीना के 22 वर्षीय खिलाड़ी प्री–सीजन के दौरान मैनेजर जाबी अलोंसो और अपनी नई टीम के साथियों के साथ जुड़ेंगे। 22 वर्षीय बारको ने अर्जेंटीना में बोका जूनियर्स के साथ अपना करियर शुरू किया था। अकादमी में आगे बढ़ने के बाद उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया और 2024 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन में शामिल होने के लिए इंग्लैंड जाने से पहले कई खिताब जीते। ससेक्स कोस्ट पर रहने के दौरान, वह कुछ समय के लिए सेविला और आरसी स्ट्रासबर्ग के लिए लोन पर खेले। 2024द 25 सीजन में शानदार प्रदर्शन और स्ट्रासबर्ग को यूरोपियन फुटबॉल में जगह दिलाने में मदद करने के बाद, वे स्थायी रूप से स्ट्रासबर्ग से जुड़ गए। पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 43 मैचों में बारको ने 12 गोल में योगदान दिया। क्लब स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया था। पिछले सीजन में, वे स्ट्रासबर्ग टीम का हिस्सा थे जो यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

21 वर्षीय बारको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली अर्जेंटीना टीम के सबसे युवा खिलाड़ी थे। हालांकि, खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार ट्रॉफी को

अपने नाम करने का सपना अध ूरा रह गया था और स्पेन ने 1–0 से बाजी मारी थी। बारको ने अब तक पांच बार अर्जेंटीना की सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में जाम्बिया और आइसलैंड के खिलाफ जीत में दो गोल किए थे और जॉर्डन के खिलाफ ग्रुप स्टेज की जीत में अपना वर्ल्ड कप डेब्यू किया।

जाम्बिया के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में बारको ने अर्जेंटीना की सीनियर टीम के लिए अपना पहला गोल किया था और टीम इस मैच को 5–0 से अपने नाम करने में सफल रही थी।

कमजोर डालर से सोने और चांदी में तेजी, कीमतें करीब एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई ,। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,41,511 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,002 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला ।सुबह 10रू20 पर यह 403 रुपए या 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,41,914 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था ।अब तक के कारोबार में सोने ने 1,41,550 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,42,002 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है ।चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,17,198 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,17,995 रुपए प्रति किलो पर खुला ।अब तक के कारोबार में चांदी 2,149 रुपए या 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,19,347 रुपए प्रति किलो पर थी ।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,17,683 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,399 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ ।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में

तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,120 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 58.51 डॉलर प्रति औंस पर थी ।जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स का कमजोर होना है। अमेरिका–ईरान के बीच युद्ध रुकने से कच्चे तेल की कीमत नीचे आई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की मांग घट गई है और डॉलर इंडेक्स कमजोर हुआ है ।डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं– यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक– के मुकाबले स्थिति को दिखाता है ।इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल में भी कमजोरी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक, कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 5.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 83.20 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.06 डॉलर प्रति बैरल पर था।

करोड़ों का बिजनेस एआई के दम पर अकेले चला रहे लोग, जमकर हो रही कमाइ

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने कारोबार की दुनिया में बड़ा बदलाव ला दिया है। जहां पहले किसी कंपनी को शुरू करने और चलाने के लिए भारी निवेश, बड़ी टीम और दर्जनों कर्मचारियों की जरूरत होती थी, वहीं अब कई उद्यमी सिर्फ एआई की मदद से अकेले ही करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर रहे हैं। ईमेल का जवाब देने से लेकर कोडिंग, कस्टमर सपोर्ट, मार्केटिंग और रिफंड जैसी जिम्मेदारियां अब एआई संभाल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में ऐसे सोलो फाउंडर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो बिना किसी कर्मचारी के सफल कंपनियां चला रहे हैं। एआई उनके लिए एक वर्चुअल बिजनेस पार्टनर की तरह काम कर रहा है, जिससे बिजनेस शुरू करना पहले के मुकाबले कहीं आसान हो गया है।

कुछ महीनों में लाखों डॉलर का कारोबार

अमेरिका के उद्यमी बेन ब्रोका ने पिछले साल एआई आधारित एक स्टार्टअप शुरू किया, जो दूसरे कारोबारियों को एआई टूल्स उपलब्ध ा कराता है। कुछ ही महीनों में उनके 10 हजार से ज्यादा पेड ग्राहक बन गए और कंपनी इस साल करीब 1 करोड़ डॉलर (10 मिलियन डॉलर) की कमाई की ओर बढ़ रही है। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक एक भी कर्मचारी नियुक्त नहीं किया है। एआई उनके लिए कोड लिखने, ग्राहकों की समस्याओं का समाधान करने, ईमेल संभालने और नए ग्राहकों को जोड़ने जैसे कई काम कर रहा है। उनका मानना है कि अकेले फैसले लेने से काम तेज और प्रभावी होता है।

नेचुरल स्टार नानी की द पैराडाइस के टीजर की रिलीज डेट आउट, यश की टाक्सिक से पहले मचाएगी धमाल

2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल द पैराडाइस अपने दमदार बज को लगातार बनाए हुए है. नैचुरल स्टार नानी पर फिल्माया गया इसका ब्लॉकबस्टर गाना आया शेर पहले ही चार्टबस्टर बन चुका है. वहीं, फिल्म के अनाउंसमेंट वीडियो ने भी अपने बोल्ड और रॉ अंदाज से सभी का ध्यान खींचा था. खास तौर पर उस दमदार डायलॉग ने, जिसमें लीड किरदार को एक वेश्या का बेटा बताया गया था और वही बात उसके हाथ पर भी लिखी हुई नजर आई थी.

द पैराडाइस इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक बन चुकी है. फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त चर्चा है. नैचुरल स्टार नानी लीड रोल में नजर आएंगे और फिल्म अपने दमदार फर्स्ट लुक पोस्टर्स, शानदार प्रमोशनल मटेरियल और पावरफुल म्यूजिक की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है. वहीं, दसरा की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है, जिससे द पैराडाइस 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो गई है.जहां फिल्म का चार्टबस्टर गाना आया शेर यूट्यूब पर 20 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल कर इंटरनेट पर छा चुका है और एक कल्चरल फिनॉमिना बन गया है, वहीं अब दर्शकों की नजरें फिल्म के बहुप्रतीक्षित टीजर पर हैं, जो 6 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार ह. माना जा रहा है कि यह टीजर अब तक की सबसे चौंकाने वाली झलक होगी, जो फिल्म के बोल्ड और रॉ अंदाज को सामने लाएगी और इसे लेकर लोगों का उत्साह और बढ़ा देगी.

निर्देशक ने अपने सोशल मीडिया पर टीजर की एक दमदार झलक शेयर करते हुए लिखा –द पैराडाइस का टीजर 6 अगस्त. मेकर्स ने भी अपने सोशल मीडिया पर यह दमदार झलक शेयर करते हुए लिखा –1 मिनट 35 सेकेंड का पागलपन तैयार है. फ्का टीजर 6 अगस्त को रिलीज होगा. जादल जमाना के लिए तैयार हो जाइए.इस शानदार उपलब्धि के साथ–साथ इस गाने को यूट्यूब पर 18 लाख लाइक्स भी मिल चुके हैं, जो दर्शकों के बीच इसकी जबरदस्त लोकप्रियता को दिखाता है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर छाने से लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की पसंद बनने तक, आया शेर ने द पैराडाइस को लेकर लोगों का उत्साह और बढ़ा दिया है. फिल्म की रिलीज से पहले इसका क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है.एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी द पैराडाइस 21 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम समेत कुल आठ भाषाओं में रिलीज

की जाएगी. वहीं, फिल्म को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए मेकर्स ने हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे प्रेजेंट करने के लिए संपर्क किया है. दमदार निर्देशक, शानदार स्टारकास्ट और बड़े विजन के साथ द पैराडाइस सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने की ओर बढ़ रही है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

केके मेनन की आदर्श बाल विद्यालय ने ओटीटी पर मचाया धमाल, पहले हफ्ते में 45 लाख व्यूज

साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के बीच मुकाबला और भी दिलचस्प होता जा रहा है. नेटफ्लिक्स के अलावा दूसरे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स भी दमदार कंटेंट पेश कर रहे हैं. हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज आदर्श बाल विद्यालय ने आते ही ओटीटी पर तहलका मचा दिया है. केके मेनन और अर्चना पूरन सिंह की इस सोशल सटायर सीरीज को प्राइम वीडियो पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है.रिपोर्ट के मुताबिक, आदर्श बाल विद्यालय ने अपने डेब्यू वीक में 4.5 मिलियन (45 लाख) व्यूज हासिल किए हैं. इसके साथ ही ये 2026 में किसी भी नॉन–नेटफ्लिक्स प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई सबसे बड़ी डेब्यू व्यूअरशिप वाली सीरीज बन गई है. ओवरऑल ओटीटी डेब्यू के मामले में ये नेटफ्लिक्स की तस्करी के बाद दूसरे स्थान पर रही.20 से 26 जुलाई 2026 के दौरान आदर्श बाल विद्यालय भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेब सीरीज रही. इसने मेड इन इंडियारू ए टाइटन स्टोरी और प्रीतम एंड पेड्रो के 4. 5 मिलियन व्यूज की बराबरी की, जबकि एस्पिरेंट्स सीजन 3 जैसी चर्चित फ्रेंचाइजी को भी पीछे छोड़ दिया. ऑरमैक्स की टॉप–5 लिस्ट में अब होगा हिसाब (4 मिलियन), चिरैया (3.8 मिलियन), मटका किंग (3.4 मिलियन) और कप्तान व संकल्प (3 मिलियन) भी शामिल हैं.आदर्श बाल विद्यालय की कहानी एक गांव के सरकारी स्कूल के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां बच्चों का मन पढ़ाई से ज्यादा खेलकूद और शरारतों में लगता है. स्कूल के हेडमास्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी भी

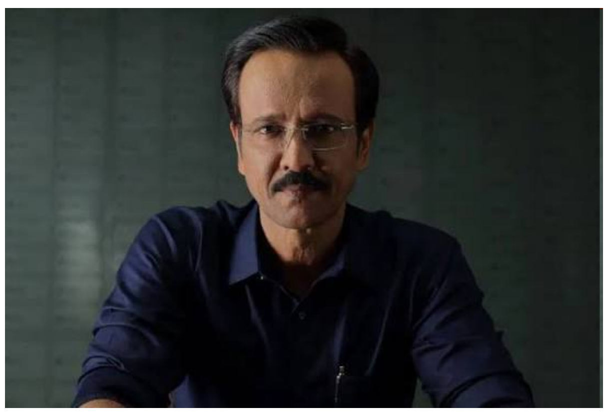

बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने में ज्यादा व्यस्त रहते हैं, लेकिन जब उन्हें पता चलता है कि अगर इस बार 10वीं का रिजल्ट अच्छा रहा तो उन्हें पत्नी के साथ विदेश घूमने का मौका मिलेगा, तो वो बच्चों को पढ़ाने में पूरी ताकत लगा देते हैं. हालांकि, स्कूल में संसाधनों की कमी और कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हो जाती हैंआदर्श बाल विद्यालय में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, अभिमन्यु सिंह, देवेन भोजानी और प्रसन्ना बिष्ट जैसे एक्टर्स हैं अक्षय अस्थाना और बिस्वपति सरकार ने इस सीरीज की कहनी लिखी है. इसके डायरेक्टर हिमांक गौर हैं

जन नायकन ने की बंपर कमाई, बनी 2026 की तीसरी हाईएस्ट ग्रासिंग फिल्म

थलापति विजय इन दिनों एक्शन ड्रामा फिल्म जन नायकन की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म ने रिलीज के बाद से ही थिएटर और बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही है. फिल्म को क्रिटिक्स के साथ ही दर्शकों की ओर से भी अच्छा रिस्पांस मिला. इसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं, जिसका फायदा इसे बॉक्स ऑफिस पर मिलता दिख रहा है. ऐसे में अब इसने 10वें दिन भी बंपर कमाई की और बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. फिल्म जन नायकन ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की है. फिल्म ने दूसरे हफ्ते में शानदार प्रदर्शन किया है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने 42.70 करोड़ के साथ खाता खोला था. वहीं, पहले हफ्ते में 153.55 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे हफ्ते की भी शुरुआत अच्छी रही. फिल्म ने 9वें दिन 3.55 करोड़ तो दूसरे सैटरडे 10वें दिन 7.80 करोड़ का बिजनेस किया था.

वहीं, फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में कमाल का प्रदर्शन किया है और रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 10वें दिन 3 करोड़ की कमाई की, जिसके बाद इसका ओवरसीज मार्केट में ग्रॉस कलेक्शन 88 करोड़ हो गया था. माना जा रहा है कि रविवार के कलेक्शन के बाद ये 90 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर जाएगी.

इसके साथ ही जन नायकन ने 10वें दिन बॉक्स ऑफिस पर ओवरसीज मार्केट में एक और रिकॉर्ड बना दिया है. कोईमोई के अनुसार, फिल्म ने वाझा 2 (85. 75 करोड़) को पछाड़ दिया है और इसके बाद ये ओवरसीज मार्केट में 2026 की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसर फिल्म बन चुकी है. वहीं, दूसरे नंबर पर दृश्यम 3 (111.7 करोड़) है.इतना ही नहीं, जन नायकन ने बॉक्स ऑफिस पर 10वें दिन करुप्पु का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. सैकनिल्क के मुताबिक, करुप्पु ने दूसरे शनिवार यानी कि 10वें दिन 14.75 करोड़ का बिजनेस किया था और इसके बाद इसकी 10 दिनों की कमाई 148.85 करोड़ ही पहुंच पाई थी. लेकिन, इसके मुकाबले जन नायकन का 10 दिनों का कलेक्शन कहीं ज्यादा है. विजय की फिल्म का 10 दिनों का इंडिया नेट कलेक्शन 164.90 करोड़ रहा. बहरहाल, अगर जन नायकन के बारे में बात की जाए तो बतौर तमिलनाडु सीएम विजय की ये

पहली और आखिरी फिल्म है. विजय ने राजनीति में आने से पहले एक्टिंग छोड़ दी और उन्होंने खुद इसका ऐलान किया था. वो बाकी का अपना समय जनता की सेवा में देना चाहते हैं. जन नायकन में वो लोगों के लिए काम करते दिखे थे.

ये प्रेम मोल लिया के सेट से लीक हुई आयुष्मान खुराना-शरवरी की तस्वीरें, दिखा संस्कारी अंदाज

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ये प्रेम मोल लिया को लेकर चर्चा में हैं. इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में उनकी जोड़ी पॉपुलर एक्ट्रेस शरवरी के साथ बनी है. फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है. अब इस बीच फिल्म के सेट से आयुष्मान और शरवरी की कुछ तस्वीरें लीक हो गई हैं, जिनमें दोनों का ट्रेडिशनल और संस्कारी अंदाज देखने को मिल रहा है.

सेट से सामने आईं तस्वीरों में आयुष्मान खुराना और शरवरी ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आ रहे हैं. दोनों को एक घाट पर पूजा से जुड़े सीन की शूटिंग करते हुए देखा जा सकता है. फैंस को दोनों का यह नया अंदाज काफी पसंद आ रहा है. खास बात ये है कि ये पहली बार है जब आयुष्मान और शरवरी किसी फिल्म में साथ काम करते नजर आएंगे. दोनों की जोड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं.

बता दें कि ये प्रेम मोल लिया की शूटिंग खत्म हो चुकी है. आयुष्मान खुराना और शरवरी ने खुद शनिवार को सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी थी. उन्होंने सेट से कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया था. वहीं, एक तस्वीर में आयुष्मान और शरवरी रेलवे ब्रिज की सीढ़ियों से हाथों में हाथ डाले चलते हुए नजर आ रहे हैं. इसके अलावा एक तस्वीर में दोनों सूरज बड़जात्या के साथ फिल्म के क्लैपर बोर्ड के साथ दिखाई दे रहे हैं.

उन्होंने फोटोज शेयर करते हुए लिखा, बाणगंगा में बहुत ही शुभ तरीके से ये प्रेम मोल लिया की शूटिंग पूरी की. प्यार और आभार के साथ, सूरज सर, राजश्री प्रोडक्शंस, महावीर जैन और पूरी टीम का शुक्रिया कि उन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया. हम सूरज बड़जात्या की इस फिल्म को 27 नवंबर को सिर्फ सिनेमाघरों में आप और आपके परिवार के लिए लाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म का ऐलान इसी साल अप्रैल में किया गया था. फिल्म के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या

हैं. इस फिल्म के जरिए सूरज बड़जात्या और म्यूजिक कंपोजर हिमेश रेशमिया एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं. इससे पहले दोनों ने फिल्म प्रेम रतन धन पायो में साथ काम किया था. ये फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

अभिनेती अदिति बालन की फिल्म जीडीएन से पहला लुक जारी, इस किरदार में आएंगी नजर

निर्देशक कृष्ण कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म जीडीएन सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। इसी बीच, मेकर्स ने अभिनेत्री अदिति बालन का लुक भी जारी किया। मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभिनेत्री का पहला लुक जारी कर लिखा, पेश है, पद्मावती के रूप में अदिति बालन। एक आवाज, स्टैंड और ऐसी कहानी, जो सब कुछ बदल देती है। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म मशहूर भारतीय आविष्कारक, किसान और समाजसेवी जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है, जिसमें अभिनेत्री अदिति बालन पद्मावती की भूमिका अदा करती हुई सभी को मनोरंजन करेंगी।मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज कर दिया है, जिसमें महान आविष्कारक गोपालस्वामी दोरैस्वामी नायडू (जीडी नायडू) के जीवन, संघर्ष और ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनकी असंदिग्ध बगावत की एक रोमांचक झलक दिखाता है। इसकी शूटिंग मुख्य रूप से कोयंबटूर में की गई है, जहां नायडू ने अपनी कर्मभूमि बनाई थी।ट्रेलर की शुरुआत स्वतंत्रता–पूर्व काल के उन चुनौतीपूर्ण दौर से होती है, जहां भारत के एडिसन कहे जाने वाले जीडी नायडू के अपरंपरागत विचारों और आविष्कारों को सत्ताधारी ब्रिटिश हुकूमत और ताकतवर ताकतों द्वारा दबाने की कोशिश की जाती है। इसके बाद एक ब्रिटिश अधिकारियों को यह कहते हुए दिखाया गया है कि नायडू नाजियों और जर्मनी के साथ व्यापार कर रहे हैं, जो क्राउन के खिलाफ यानी राजद्रोह है। उन पर कर चोरी और अन्य मनगढ़ंत आरोप भी लगाए जाते हैं। कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित जीडीएन में आर. माधवन मुख्य भूमिका में हैं, जिन्हें भारत का एडिसन कहे जाने वाले जी.डी. नायडू के रूप में देखा जा सकता है। फिल्म में माधवन के अलावा जयराम, प्रियामणि, दुशारा विजयन, सत्यराज, अदिति बालन, विजय राय और टीजे अरुणासलम भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत गोविंद वसंत ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी अरविंद कमलानाथन ने की है।यह फिल्म 7 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्मों में दमदार किरदार चाहती हैं अविका गौर, बोलीं- फर्नीचर बनकर नहीं रहना

टीवी के पॉपुलर शो बालिका वधू में आनंदी का किरदार निभाकर घर–घर में पहचान बनाने वाली अविका गौर अब अपने करियर को नई दिशा देना चाहती हैं. एक्ट्रेस का कहना है कि वो अब ऐसे रोल्स चुन रही हैं, जिनमें सिर्फ स्क्रीन पर मौजूदगी नहीं, बल्कि दमदार अभिनय दिखाने का मौका भी मिले.

अविका स्टंट–बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं. शो के दौरान अविका ने कहा, मेरा मानना है कि लोग मुझसे बेहतरीन परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं. मैं अपनी फिल्मों में ऐसे किरदार निभाती रही हूं जहां मुझे परफॉर्म करने, एक्टिंग करने और एक एक्टर के तौर पर अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलता है.

एक्ट्रेस ने आगे कहा, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा फोकस हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने पर रहेगा, जहां मुझे फिल्म में सिर्फ फर्नीचर बनकर रहने के बजाय कुछ और करने का मौका मिले. इसलिए मैं सही स्क्रिप्ट और सही किरदारों को चुनने को लेकर हमेशा बहुत सतर्क रहूंगी.खतरों के खिलाड़ी 15 में वापसी के बारे में बात करते हुए अविका ने माना कि भले ही ये शो फिजिकली और मेंटली बहुत मुश्किल है, लेकिन उनका पिछला एक्सपीरियंस काफी चौलेंजिंग था. उन्होंने कहा, ये शो वैसे भी आसान नहीं है. ये बहुत चौलेंजिंग है. लेकिन मेरे लिए, मेरा पिछला सीजन कहीं ज्यादा मुश्किल था. उस सीजन में मुझे जो स्टंट दिए गए थे, वे मेरे लिए ज्यादा डरावने थे. इसलिए, अभी जो स्टंट मैं कर रही थी,

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक–शील कुमार शुक्ला सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।